दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली ।। सोमवार 05 अगस्त -2024 | ● वर्ष : 8 अंक : 297 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

चंडीगढ़ में गृह मंत्री अमित शाह ने भरी हुंकार

सरकार पूरा करेगी अपना कार्यकाल 2029 में भी आएंगे पीएम नरेंद्र मोदी

चंडीगढ़। गृह मंत्री अमित शाह रविवार को चंडीगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने मनीमाजरा इलाके के लोगों को बड़ी सौगात दी। अमित शाह ने इलाके में 247 पानी के प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया, जिसको 75 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। साथ ही अपने संबोधन में अमित शाह ने विपक्ष के बयानों पर पलटवार किया। विपक्ष दावा कर रहा था कि एनडीए सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी, जिस पर गृह मंत्री ने कहा, एनडीए न सिर्फ कार्यकाल पूरा करेगी बल्कि 2029 में भी बीजेपी की ही सरकार बनेगी।

24 घंटे मिलेगा पानी : इस प्रोजेक्ट के चलते अब मनीमाजरा के लोगों को 24 घंटे पानी मिल सकेगा। प्रोजेक्ट का उद्घाटन करते हुए अमित शाह ने कहा, अब बहनों को पानी भरने जाने के लिए अलार्म लगाने की जरूरत नहीं होगी अब

आप जब नल खोलेंगी आपको पानी मिलेगा। गृह मंत्री ने कहा, कोई टैंकर नहीं होगा, बल्कि नल से पानी मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार की इस योजना से मनीमाजरा के 1 लाख लोगों को घर बैठे 24 घंटे पानी उपलब्ध होगा। इस प्रोजेक्ट की शुरूआत मोदी सरकार ने 13 नवंबर 2021 को की थी, जिसके बाद लगातार 4 बार इस के तैयार होने की तारीख को बदला गया, जिसके बाद अब यह प्रोजेक्ट तैयार हो गया है।

अमित शाह ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा, उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि कांग्रेस को 3 चुनावों में जितनी सीटें मिली थीं, उससे कहीं ज्यादा सीटें इस चुनाव में बीजेपी ने जीती हैं। अमित शाह ने कहा, यह लोग विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रहे और विपक्ष में बैठे कर यह लोग ठीक से काम करने का तरीका सीखेंगे।

गैंगरेप पीड़िता और परिवार से मिले राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप

मंत्री ने कहा दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई, सपा ना करे राजनीति

लखनऊ। अयोध्या में छात्रा से गैंगरेप के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश पर रविवार को अयोध्या में पीडित बच्ची और परिवार से मिलने के लिए भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा।

इस प्रतिनिधि मंडल में उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद व संगीता बलवंत अयोध्या में पीड़िता के घर पहुंचे। सभी ने परिवार वालों से बातचीत की साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप का कहना है कि जिस तरीके से 12 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप जैसी घटना को अंजाम दिया गया है, यह शर्मनाक है।

उन्होंने कहा है कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव जिस तरीके से बच्ची को लेकर बयान दे रहे हैं और डीएनए टेस्ट कराए जाने की बात कर रहे हैं यह ठीक नहीं है।

अयोध्या पहुंचने के बाद पीड़ित परिवार से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि दोषी को बचाने का काम विपक्ष कर रहा है, यह ठीक नहीं है। इस मामले में सरकार अभी तक सख्त कदम उठा रही है। इस मामले में आगे भी रिपोर्ट भेजी जाएगी ताकि दोषियों पर जल्द ही कार्रवाई हो।

आधा घंटे तक मौजूद रहा भाजपा का प्रतिनिधि मंडल

करंट क्राइम। अयोध्या में गैंगरेप का शिकार हुई छात्रा के घर पहुंचने वालों में राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद, संगीता बलवंत के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप भी शामिल रहे। नरेंद्र कश्यप ने बताया है कि उन्होंने पीड़िता से बातचीत की है, उसकी मां और परिवार के अन्य लोगों से मुलाकात कर मदद का भरोसा दिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि दोषियों पर अभी तक सरकार ने जो कार्रवाई की है ,उसके आगे जो अन्य कदम उठाए जाने हैं। उसको लेकर भी भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व कमेटी को यह प्रतिनिधि मंडल रिपोर्ट भेजेगा। उन्होंने कहा है कि इस दौरान भाजपा के दो सांसद और राज्य मंत्री परिवार वालों से भी मिले हैं । उनसे भी इस पूरी घटना को लेकर जानकारी जुटा गई है।

नरेंद्र कश्यप ने कहा सपा ना दे मुजरिमों का साथ

करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अयोध्या में गैंगरेप पीड़िता और परिवार वालों से मिलने के बाद बयान देते हुए कहा है कि जिस तरीके से समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव इस पूरे मामले में डीएनए टेस्ट करने की तैयारी कर रहे हैं। इस तरीके के बयान उनको शोभा नहीं देते है ।साथ ही अगर पार्टी बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए आगे नहीं आ रही है, तो कम से कम जो आरोपी सामने आ रहे हैं उनको बचाने का प्रयास न करें। पार्टी मुजरिमों को बचाने का काम कर रही है जो ठीक नहीं है।

नरेंद्र कश्यप ने कहा मुख्यमंत्री से करेंगे मांग नजीर बने कार्रवाई : उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र

करंट क्राइम। कश्यप ने अयोध्या में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि वह मामले में जल्द ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगे और बताएंगे कि इस पूरी मामले की आरोपियों पर ऐसी कार्रवाई की जाए ताकि वह प्रदेश में नजीर बने। अब तक जो पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है, उसे और तेज किए जाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

राज्यपाल ने कहा इस पद्धति से बच्चे अधिक होनहार और ज्ञानवान बनेंगे

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी, मंजू शिवाच, पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी उद्घाटन के अवसर पर रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा रविवार को गाजियाबाद में देश की पहली आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया। यह केंद्र विधानसभा मुरादनगर के अंतर्गत आने वाले रजापुर ब्लॉक के ग्राम मोरटी में संचालित किया गया है। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि हमारी माताएं सशक्त बनेगी तो हमारे बच्चे भी सशक्त बनेंगे। तभी देश की सशक्त बनेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कृति और सभ्यता का भी ज्ञान होना चाहिए। राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने उद्घाटन के शुभ अवसर पर रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 व संबंधित अधिकारियों को शुभकामना दी और कहा कि देश में इस तरीके के और भी केंद्र जल्द शुरू हों। साथ ही उत्तर प्रदेश को लेकर भी उन्होंने इस ओर कदम बढ़ाने का भरोसा दिलाया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विधायक सुनील शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 के गवर्नर प्रशांत राज सहित अन्य प्रमुख लोगों ने राज्यपाल का स्वागत भी किया।

बच्चों ने सुनाएं राज्यपाल को गीत, उन्होंने कहा बदलनी चाहिए पढ़ाई की रीत

करंट क्राइम : रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मोरटी के रजापुर ब्लॉक में देश की पहली आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित आगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन कर रही थीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा कविता प्रस्तुत की गई और बताया गया कि वह यहां मॉडर्न एजुकेशन भी ले रहे हैं। इस मौके पर आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि बच्चे उसे समझ सकें, सिर्फ रटा-रटाया ज्ञान ना हो। बच्चों को समझ में आना चाहिए कि वह क्या लिख रहे हैं, क्या बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संस्कृति और सभ्यता का भी ज्ञान होना चाहिए। पाठ्यक्रम और सभ्यता को जानना आज की जरूरत है।

जेल में महिलाओं से संबंधित अपराधों में 80% कैदी दहेज मामलों के हैं

करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है की जेल में महिलाओं से संबंधित अपराधों में 80% कैदी दहेज मामलों के है। हमे चाहिए कि हम ऐसे समाज का निर्माण करें जहां अपराध के लिए कोई जगह ना हो। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारी महिलाओं को सशक्त बनना चाहिए, तभी उनके परिवार पढ़े-लिखे बनेंगे, वह कुपोषण से दूर रहेंगी। मजदूरी नहीं करेंगी और वह अपने आसपास का वातावरण भी सुधरने का काम करेंगी। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने यहां काम करने वाले आंगनबाड़ी क्रेंद कर्मचारियों को किट भी वितरित की। किट में साबुन, डिटॉल, पट्टी मरहम, कंघा, सुई धागा, कैंची व तेल अन्य सामग्री भी थी।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने किया रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट का धन्यवाद

करंट क्राइम : कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि है जनपद के लिए गौरव की बात है कि यहां देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन राज्यपाल के द्वारा हुआ है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जनपद में कुल 1371 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। जिसमें 866 शहरी और 505 ग्रामीण क्षेत्र में हैं। जहां 3 से 6 वर्ष के कुल 41300 बच्चे हैं। जिसमें 20795 बालक और 20523 बालिका शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट के गवर्नर प्रशांत राज का धन्यवाद दिया और कहा कि आज गाजियाबाद में जिस तरीके का यह प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। यह सभी के लिए एक सम्मान की भी बात है।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा बदल रहा है प्रदेश

करंट क्राइम : कार्यक्रम में बोलते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा है कि रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे कार्य और टाटा स्टील सहित अन्य सहयोगियों द्वारा जिस तरीके का यह सराहनीय कार्य किया गया है, वह बहुत बेहतर है। उन्होंने कहा कि जब निचले स्तर पर शिक्षा की सुविधा मिलेगी, तो देश और प्रदेश की स्थिति में बदलाव होगा। वही मेयर सुनीता दयाल ने भी बोलते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

तेईस साल बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह के निर्णय को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सही ठहराया : बालेश्वर त्यागी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। तेईस साल बाद तत्कालीन मुख्य मंत्री राजनाथ सिंह के निर्णय को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सही ठहराया है। राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने 15 सितंबर 2001 को उ.प्र. लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ों के लिए आरक्षण) अध्यादेश जारी किया था। इस अध्यादेश में इन जातियों को दिए गए आरक्षण में श्रेणी बनाकर आरक्षण दिया गया था। अर्थात आरक्षण में आरक्षण दिया गया था। जिसे शुक्रवार को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में सही ठहराया है। राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली सरकार ने आरक्षण में आरक्षण का जो अध्यादेश जारी किया था, उस पर माननीय उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी। सर्वोच्च न्यायालय ने तो अपने वर्तमान निर्णय में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण में क्रीमीलेयर तय करने और उन्हें आरक्षण से बाहर करने का अधिकार भी दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान निर्णय ने राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के निर्णय को न केवल सही ठहराया बल्कि उसमें क्रीमीलेयर तय करने को आवश्यक बताया। काश ये निर्णय उस समय सही स्वीकार किया गया होता तो गत 23 वर्षों अति दलितों और अति पिछड़ों के एक बहुत बड़े वर्ग को अपने हक के आरक्षण का लाभ मिल गया होता!!!

15 सितंबर 2001 को जारी अध्यादेश में अनुसूचित जातियों को 'अ' और 'ब' श्रेणियों में बांटा गया था। 'अ' श्रेणी में तीन श्रेणियों हरिजन, घुसिया और जाटव को रखा गया इनको पहले से निर्धारित आरक्षण 21% में इनकी आबादी 55.70% मानते हुए 10% आरक्षण और शेष अनुसूचित जातियों 65 जातियों को 'ब' श्रेणी में रखा गया। उन्हें 11% आरक्षण दिया गया। इनकी आबादी को 44.30% माना गया।

इसी पिछड़ी जातियों को तीन श्रेणियों में बांटा गया। 'अ' श्रेणी में अहीर, यादव, यदुवंशी और ग्वाला को रखा गया।

इनकी आबादी को पिछड़ी जातियों की कुल आबादी में 19.40% मानते हुए कुल आरक्षण का 5% और 'ब' श्रेणी में कुर्मी, सुनार, गुजर, लोध, कम्बोज, जाट, गिरी गोस्वामी को रखा। इन्हें पिछड़ी जाति का 18.91% मानते हुए 9% और 'स' श्रेणी में शेष 70 जातियों को रखा गया। उन्हें कुल पिछड़ी आबादी का 61.69% मानते हुए 14% आरक्षण देने का निर्णय किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान निर्णय ने राजनाथ सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के निर्णय को न केवल सही ठहराया बल्कि उसमें क्रीमीलेयर तय करने को आवश्यक बताया।

काश ये निर्णय उस समय सही स्वीकार किया गया होता तो गत 23 वर्षों अति दलितों और अति पिछड़ों के एक बहुत बड़े वर्ग को अपने हक के आरक्षण का लाभ मिल गया होता!!!

सीएम योगी का निर्देश: 9 से 15 अगस्त तक हर घर फहराया जाएगा तिरंगा, शहीद स्मारक स्थलों पर बजाए जाएंगे गीत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर उच्च स्तरीय बैठक में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं में काकोरी ट्रेन एक्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदेश सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव को पूरे राज्य में विभिन्न गतिविधियों के साथ वर्षपर्यंत धूमधाम से मनाएगी। इस वर्ष 9 से 15 अगस्त के मध्य प्रदेशव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव की शुरूआत आगामी 9 अगस्त से होगी। इस अवसर पर प्रदेश के शहीद स्मारकों, स्मृति स्थलों, अमृत सरोवरों के तट पर वृहद रूप से कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। समारोह में शहीदों के परिजनों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों, भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया जाए। इन कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों, किशोरों, युवाओं का सहयोग व सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन, 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं, स्थलों व आजादी के ज्ञात-अज्ञात नायकों के संबंध में बुकलेट तैयार कराई जाए तथा प्रभातफेरी, सामान्य ज्ञान, चित्रकला, सुलेख-निबंध, वाद-विवाद, भाषण आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को जनपद व राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाए। विजेता बच्चों को काकोरी स्मारक स्थल का भ्रमण भी कराया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि इन कार्यक्रमों से केंद्र व प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ें। पर्यटन व संस्कृति विभाग इस आयोजन का नोडल विभाग है। विभाग अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर आयोजनों की तैयारी सुनिश्चित करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपदों को काकोरी ट्रेन एक्शन व हर घर तिरंगा से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर निर्देशित करें। साथ ही संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव/विभागाध्यक्ष भी अपने स्तर से विभागीय अधिकारियों को इन कार्यक्रमों के बारे में दिशा-निर्देश दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, पैरामिलिट्री, मिलिट्री, एनसीसी व स्कूलों के बैंड का प्रशिक्षण कराते हुए 9 से 15 अगस्त प्रदेश के शहीद स्थलों, स्मारकों इत्यादि पर राष्ट्रधुन व राष्ट्रभक्ति के गीत बजाए जाएं। युवक व महिला मंगल दल, स्काउट गाइड, एनसीसी, एनएसएस के स्वयंसेवकों को भी काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव व हर घर तिरंगा कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न नागरिक संगठनों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसहभागिता के माध्यम से रक्तदान शिविर आदि का भी आयोजन किया जाए तथा जनसहयोग से अस्पतालों में फल वितरण भी किया जाए। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का एक 'लोगो' बनाएं। इसका वर्ष भर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्रयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर विकास व पंचायतीराज विभाग द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े समस्त स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंडियों में भी साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था हो और राष्ट्रभक्ति से जुड़े गीत/धुन बजाई जाए। लखनऊ व शाहजहांपुर में शहीद मेले का आयोजन किया जाए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के तहत डाक विभाग के साथ समन्वय कर डाक आवरण जारी किया जाएगा। रेल मंत्रालय के माध्यम से काकोरी शौर्यगाथा एक्सप्रेस सचल प्रदर्शनी ट्रेन का संचालन किया जाएगा। महोत्सव के तहत गौरव गाथा स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्र चिंतन विचार, शहीदों को नमन, पर्यावरण संरक्षण एक जीवन शैली, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास, समर्पण एवं राष्ट्र की सेवा इत्यादि विषयों पर काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

घर-घर फहरेगा तिरंगा

मुख्यमंत्री ने कहा विगत वर्षों में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक झंडे फहराने का रिकॉर्ड बनाया। उसी प्रकार इस वर्ष भी 9 से 15 अगस्त के मध्य पूरे प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जाए। हर घर तिरंगा अभियान के दृष्टिगत संबंधित विभागों द्वारा झंडों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को झंडे खरीदने के लिए बेहतर व्यवस्था की जाए तथा विभिन्न माध्यमों का उपयोग करते हुए झंडे को फहराने की सही जानकारी उपलब्ध कराई जाए। प्लास्टिक के झंडों का उपयोग कतई न किया जाए। हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े कार्यक्रमों की फोटो, वीडियो, सेल्फी पोर्टल पर अपलोड भी किया जाए।

सहारनपुर में पटरी से उतरी पैसेंजर ट्रेन, कोई हताहत नहीं

सहारनपुर। पश्चिम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रविवार को रेल हादसा हुआ है, जहां 01619 पैसेंजर ट्रेन पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हादसे में ट्रेन के दो डब्बे पटरी से नीचे उतरकर दूसरी लाइन पर चले गए। यह ट्रेन दिल्ली से सहारनपुर की ओर आ रही थी। हादसे के बाद रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया है। इस रेल हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन यह हादसा रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे अधिकारी मामले की जांच में जुट गए हैं। दूसरी तरफ, आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर रविवार को एक ट्रेन में आग लगने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कोरबा से विशाखापट्टनम होते हुए तिरुमाला जा रही ट्रेन विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर खड़ी थी। इस दौरान एसी बोगी एम1, बी7, बी6 बोगियों में अचानक आग लग गई। शुरूआती जांच में पता चला है कि बी7 बोगी के शौचालय में हुए शॉर्ट सर्किट से आग भड़की। ट्रेन के एसी बोगी की एम1, बी7, बी6 बोगियों में आग लगने

की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टेशन पर हड़कंप मच गया। ट्रेन धू-धू कर जलती दिखी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की। हादसे के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रेन के कोच से बड़ी-बड़ी लपटें निकल रही है। इस दौरान पूरे स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

वाटर सप्लाई पाइप लाइन डालने का पार्षद शिल्पा चौधरी ने किया उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 61 की पार्षद शिल्पा चौधरी ने आकाश गंगा अपार्टमेंट, सेक्टर 4बी लोगों को शुद्ध पीने वाले पानी की व्यवस्था करवाने के लिए वाटर सप्लाई पाइप लाइन डालने का उद्घाटन किया। लोगों को सालों से झेलनी पड़ रही पीने के पानी की समस्या से निजात मिलेगी। पार्षद शिल्पा चौधरी ने बताया कि वार्ड के हर निवासी को शुद्ध पानी मुहैया करवाने के लिए वाटर सप्लाई की नई पाइपें डाली जा रही हैं। वार्ड 61 के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही। इसके अलावा 'स्वच्छ अभियान' के तहत भी लोगों को अपील की जा रही है कि वह शहर को साफ सुथरा बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। मुख्य रूप से पूर्व पार्षद महेंद्र चौधरी व युवा मोर्चा उपाध्यक्ष आशीष चौधरी ने कहा कि सोसायटी में पीने के पानी की नई लाइन डाली जाने के कार्य किया जा रहा है। इससे सोसायटी में आने वाले गन्दे एवं दूषित पानी से भविष्य में मुक्ति मिल सकेगी, जो की विगत कई वर्षों से यहाँ रहने वाले लगभग 300 परिवारों को अब साफ पानी मिलेगा। इस कार्य के उद्घाटन होने से पूरी सोसाइटी में खुशी की लहर है, लोगों ने मिठाई बांटकर खुशी काइजहार किया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विनीत चौधरी, महासचिव चुन्नीलाल, कोषाध्यक्ष हिमांशु शेखर, उपाध्यक्ष अखिल रंजन, वीरेश त्यागी, आबिद हुसैन, बीड़ी शर्मा, संजय त्यागी, आशीष मोहन तिवारी, ओमप्रकाश यादव, दीवान सिंह नेगी, कर्मवीर सिंह, विनय चौधरी, डा इमरान, मुरारी लाल, आदि लोग उपस्थित रहें।

लद्दाख समेत अन्य जगहों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने निवेश के नाम पर सात करोड़ रुपये का घोटाला करने के मामले में लद्दाख समेत अन्य जगहों पर छापा मारा। जहां से छापेमारी के दौरान एक करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं। क्रिप्टोकरेंसी घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने लद्दाख समेत अन्य राज्यों में कई जगहों पर छापेमारी की। प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को जानकारी देते हुए कहा कि लद्दाख और कुछ अन्य जगहों पर लोगों के साथ फर्जी क्रिप्टोकरेंसी के जरिए निवेश कंपनी के संचालकों के खिलाफ छापेमारी की। इस दौरान ईडी को एक करोड़ रुपये और अपराधी दस्तावेज जब्त किए गए। जानकारी के लिए बता दें कि बीते दिनों प्रवर्तन निदेशालय ने निवेश के नाम पर सात करोड़ रुपये का घोटाला करने के मामले में लद्दाख में छापा मारा था। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद प्रवर्तन निदेशायल की यहां पहला छापा था।

शिप्रा सनसिटी में धूमधाम से मनाया हरियाली तीज का पर्व

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के शिप्रा सनसिटी में हरियाली तीज का पर्व धूमधाम से मनाया गया। अतिथि के रूप में शिप्रा सनसिटी पिंक बूथ प्रभारी संदीप मलिक रही, उन्होंने कविता के माध्यम से सभी बहिनों को प्रोत्साहित किया। तीज कार्यक्रम में सभी बहिनों ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया ' गोलगप्पा कंपटीशन में शिखा शर्मा विजई रही ,बेस्ट ड्रेस में नमिता, शिखा शर्मा और सुची श्रीवास्तव रही ' एक तीर अनेक निशाने प्रतियोगिता में आशी जैन बैस्ट तीज क्वीन प्रीति जी रही ' लक्ष्य एक उड़ान फाउंडेशन की अध्यक्ष सुषमा गंगवार ने हरियाली तीज पर्व की सभी को बधाई दी और कहा हमारा एनजीओ हर साल हरियाली तीज त्योहर ऐसे ही हर्षोल्लास से मनाता है। पिछले 4 वर्षो से हमारा एनजीओ

जरूरतमंद लोगों के बीच जाकर कार्य कर रही है। और उनकी सहायता करता है, सुषमा गंगवार ने बताया कि हरियाली तीज का दिन शिव-गौरी को समर्पित है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती है। भगवान शंकर और मां पार्वती की पूजा करती हैं, वहीं कुंवारी लड़कियां मनवांछित वर की इच्छा के लिए उपवास रखती हैं।एनजीओ की तरफ से सभी बहिनों को भेट में तुलसी के पौधे वितरण किए ' पूजा तिवारी ने भी सभी बहिनों को तीज की बहुत बहुत बधाई दी। इस अवसर पर सोमा श्रीवास्तव,कविता पालीवाल, आरती जैन, विथिका जैन,तनवी जैन, सुची श्रीवास्तव, नीतम झा,नमिता ,सविता ,मनीषा कुमारी,दीप्ति तिवारी,प्रियंका ,रजनी ,प्रीति ,प्रवीना सोलंकी , अंजू राय , मधू आदि महिलाए मौजूद रही।

न्यूज डायरी

राजस्थान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भाई-बहन समेत 4 की मौत

ऋषिकेश से अंतिम संस्कार कर लौट रहा था परिवार

माधोपुर। सवाई माधोपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह 7 बजे एक कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में भाई-बहन समेत 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। 6 लोग घायल हो गए। हादसा सूरवाल थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुरा गांव के पास हुआ। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सीओ सिटी हेमेंद्र शर्मा ने बताया- परिवार की एक महिला ऋषिकेश (उत्तराखंड) में भागवत कथा कार्यक्रम में गई थी, जहां उसकी मौत हो गई थी। मौत की सूचना के बाद परिजन ऋषिकेश पहुंचे। परिजन ने शव घर लाने के बजाय उसका अंतिम संस्कार ऋषिकेश में ही किया। अंतिम संस्कार करने के बाद सभी परिजन घर लौट रहे थे। इसी दौरान ड्राइवर को झपकी आ गई। वह कार का बैलेंस खो बैठा और कार पीछे से ट्रक में घुस गई।

मध्य प्रदेश का रहने वाला है परिवार

हादसे में मोनिका (24) पुत्री कचरूलाल प्रजापत, राजन (22) पुत्र कचरूलाल प्रजापत, रेखा (42) पत्नी ईश्वर लाल प्रजापत और धापू देवी (65) पत्नी हीरालाल प्रजापत की मौत हो गई।

'जाट रिश्ते-नाते' 11वां परिचय सम्मेलन 6 अक्टूबर को वेव सिटी एनआर ग्रांड में होगा आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पारिवारिक मिलन जाट समाज रजिस्टर्ड के बैनर तले 6 अक्तूबर को वेव सिटी एनआर ग्रांड में होने वाले 11वें जाट रिश्ते-नाते परिचय सम्मेलन की तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए संगठन के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी और महामंत्री अरुण चौधरी भुल्लन ने सभी वरिष्ठों के साथ मिलकर गहन चर्चा कर टीम के सुचारु संचालन हेतु जिम्मेदारियां सौंपी। कार्य संचालन के लिए बृहद समिति बनाई गई है। जिसमें अध्यक्ष - राजकुमार चौधरी। महासचिव - अरुण चौधरी (भुल्लन), कोषाध्यक्ष - धर्मेंद्र चौधरी, महिला अध्यक्ष - डॉक्टर सरोज सिरोही आदि सम्मिलित हैं।

'शिक्षा से शिखर तक' एनजीओ का शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान

हमारी कोशिश आर्थिक स्थिति शिक्षा में न बने बाधा : रजनी जोशी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही 'शिक्षा से शिखर तक' एनजीओ जो सभी बच्चों को शिक्षाधार से निरन्तर जोड़ने के लिए प्रयासरत है। संस्था ने गोद लिए गए (उत्तराखंड के लैंसडौन विधानसभा के अंतर्गत) कंडुली गांव के विद्यार्थियों व आंगनबाड़ी के बच्चों को फर्नीचर के साथ पठन-पाठन सामग्री वितरित की। 'शिक्षा से शिखर तक' एनजीओ ने बच्चों को पानी की बोतल, बैग, जियोमेट्री बॉक्स, टिफिन, स्टेशनरी, रंग आदि दिए। साथ ही वादा किया कि इन दोनों विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष रजनी जोशी ने जानकारी दी कि आर्थिक स्थिति शिक्षा में कभी बाधा ना बने। उनकी संस्था का मूल उद्देश्य शिक्षा ज्ञान महादान है। हम चाहते हैं कि देश का भविष्य ये बच्चे समाज की मुख्यधारा से जुड़े रहें। इस अवसर पर आशा वर्कर व गांव के कई गणमान्य व्यक्ति गीताराम जोशी, शकुंतला जोशी आदि उपस्थित रहे जिनके हाथों यह शुभ कार्य संपन्न हुआ।

वीवीआईपी एड्रेस सोसायटी में राधा क्लब ने मनाई तीज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वीवीआईपी सोसायटी राजनगर एक्सटेंशन में रविवार को राधा क्लब में तीज महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। राधा क्लब की अध्यक्षा पूजा त्यागी ने बताया कि सभी महिलाओं ने आपस में मिलकर नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता, तंबोला आदि कार्यक्रम आयोजित किए। महिलाओं ने कार्यक्रम में सराहनीय भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्लब अध्यक्षा पूजा त्यागी, कुसुम, शिखा बंसल, ज्योति, महिमा गुप्ता, राखी त्यागी, ममता अग्रवाल, नेहा त्यागी, पारुल शर्मा, प्रवेश, शैली और श्रुति आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल की आगामी योजना बैठक का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक त्यागी के आह्वान पर आगामी योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता ने की। बैठक में प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश व जिला संगठन के विस्तार तथा गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में संगठन के सभी सदस्यों के लिए सदस्यता अभियान चलाने की वार्ता के साथ आगामी होने वाले स्थापना दिवस की तैयारियों के बाबत योजना भी बनाई गई। बैठक मेरठ रोड स्थित क्लाउड 9 कंपाउंड, टाटा मोटर्स के सभागार में की गई। बैठक के दौरान व्यापारियों की समस्याओं की जानकारी मिलने पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक त्यागी ने शहर व्यापारियों की किराया बढ़ोतरी के मुद्दे पर सरकार को नरमी बरतने तथा व्यापारियों के हितार्थ जीएसटी के सरलीकरण के लिए सरकार से एक मजबूत पहल करने के लिए पत्र द्वारा मांग उठाने की बात कही। बैठक के दौरान प्रदीप चौधरी, अशोक भारतीय, संजय गोयल, रितेश शर्मा, मनोज गोयल आदि मौजूद रहे।

अयोध्या दुष्कर्म : पीड़िता के घर पहुंचे भाजपा नेता

सपा ने कहा- आरोपियों को फांसी हो, बसपा बोली पार्टी दोषी

लखनऊ। अयोध्या दुष्कर्म के मामले में सपा पर भाजपा के साथ बसपा ने भी मोर्चा खोल दिया है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा आरोपियों के साथ खड़ी है। भाजपा के नेता रविवार को पीड़ित के घर पहुंचे। भदरसा दुष्कर्म मामले में लगातार सत्ता पक्ष के निशाने पर चल रही समाजवादी पार्टी ने अपना पक्ष रखा है। सपा कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री समेत सभी वरिष्ठ नेताओं ने दुष्कर्म के दोषियों को फांसी देने की मांग की। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच करने व निदोर्षों पर कार्रवाई न करने समेत अन्य मांगें भी उठाई। साथ ही बीएचयू में पिछले हुए दुष्कर्म के आरोपियों की सीएम और दूसरे भाजपा नेताओं के साथ फोटो दिखाकर सवाल खड़े किए।

पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने कहा कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। जघन्य अपराध करने वालों को फांसी की सजा हो, लेकिन घटना की निष्पक्ष जांच हो। सजा व कार्रवाई के नाम पर बिना जांच के निदोर्षों को न फंसाया जाए। इस सरकार में यादव और मुसलमान ही अपराधी की परिभाषा बन गए हैं। कहा कि अयोध्या के खाकी अखाड़ा में सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले व उसमें संलिप्त लोगों के घर पर अब तक बुलडोजर नहीं चला। बच्ची का परिवार अब तक न्याय से वंचित है। सनबीम स्कूल में छात्रा ने आत्महत्या किया तो प्रबंधक के यादव होने के कारण उन्हें जेल भेज दिया गया। निष्पक्ष जांच हुई तो वह बरी हुए। गोमतीनगर में 20-25 लोग आरोपी थे, लेकिन मुख्यमंत्री को सिर्फ यादव, मुसलमान का नाम ही याद रहा। अपराधी की कोई जाति नहीं होती, इसलिए उसे जाति से नहीं जोड़ना चाहिए।

बीएचयू रेपकांड के आरोपी की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव मौर्या, अनुराग ठाकुर व स्वतंत्रदेव सिंह के साथ तस्वीर वायरल हुई है, लेकिन उन पर क्या कार्रवाई हुई। सीडीआर, लोकेशन, सीसीटीवी आदि खंगाले जाएं। यदि सपा नेता मोईद खान दोषी मिलें तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो लेकिन बगैर दोषी सिद्ध हुए इस तर की कार्रवाई न की जाए। पीड़ित परिवार को एक करोड़ मुआवजा व सुरक्षा दिलाई जाए। डीएनए टेस्ट व नार्को टेस्ट कराकर निष्पक्ष जांच की जाए और रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

सपा पीड़िता के साथ नहीं, अपराधी के साथ खड़ी : बसपा

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी की संवेदना दुष्कर्म पीड़िता के साथ नहीं है। वह इस घृणित कार्य को करने वाले अपराधी के साथ खड़ी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से डीएनए जांच कराए जाने के संबंध में दिया गया बयान इसका जीता-जागता उदाहरण है। इनके पीडीए की भी सच्चाई सामने आ गई है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को दुष्कर्म पीड़िता के गांव जाकर उसकी मां और जिला महिला अस्पताल में पीड़िता से मुलाकात की। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर वे यहां आए हैं। बसपा पीड़ित परिवार के साथ है। इन्हें तत्काल न्याय मिलना चाहिए था लेकिन इसमें हुई देरी प्रदेश सरकार पर प्रश्नचिन्ह है। डेढ़ महीने तक निषाद समाज की बेटी की आवाज नहीं सुनी गई। जब समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर दबाव बनाया, तब एफआईआर दर्ज की गई।

पहुंचे भाजपा के नेता

दुष्कर्म पीड़िता के घर रविवार को भाजपा प्रतिनिधि मंडल के सदस्य पहुंचे। इस प्रतिनिधि मंडल में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कश्यप, राज्यसभा सांसद बाबू राम निषाद व संगीता बलवंत के साथ-साथ नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त भी मौजूद रहे। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने कहा कि परिवार को किसी भी तरह की धमकी से डरने की जरुरत नहीं है। किसी प्रकार की समस्या आने पर उनसे संपर्क करें। पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन भी पीड़िता के घर पहुंचीं। उनके अस्पताल जाकर पीड़िता से मिलने की भी संभावना जताई जा रही है।

पीड़िता से मिलना चाहता है सपा का प्रतिनिधि मंडल : जिलाध्यक्ष

सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि पूरी समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ है। सपा का प्रतिनिधि मंडल पीड़िता व परिजनों से मिलना चाहता है। लेकिन एक नेता जब अपने परिवार से मिलने गया तो उस पर मुकदमा दर्ज करा दिया गया। ऐसे में प्रशासन का कोई भरोसा नहीं है कि इसे क्या रूप दे दें। प्रेसवार्ता में हाजी फिरोज खान गब्बर, बलराम मौर्या, श्यामकृष्ण श्रीवास्तव, हामिद जाफर मीसम, रक्षाराम यादव, शमशेर यादव आदि मौजूद रहे।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली।। सोमवार 05 अगस्त-2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम ट्वीट का करंट

Ankush Arora
40m

तेरे सबसे #अच्छों में होते शुमार,

अगर तेरा #अच्छा नहीं चाहते ❤️

सपा नेता ने उठाई आवाज और भाजपा विधायक ने दिलाया इंसाफ

जो मसला नहीं सुलझ रहा था 15 दिन से वो सुलझा 15 घंटे में और गरीब कथावाचक को मिल गई उसकी गाय

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम में अर्थला के बालाजी विहार का मामला प्रमुखता से प्रकाशित किया था। यहां रहने वाले एक कथावाचक पुजारी को दान में गाय मिली थी। उस गाय को नगर निगम वाले उठाकर ले गये थे। नगर निगम ने गाय छोड़ने की एवज में जुमार्ना राशि बताई। गाय की मालकिन ने पार्षद और मेयर के यहां गुहार लगायी। लेकिन गुहार से कुछ नहीं हुआ। जो गाय 15 दिन से नहीं छूट रही थी उस गाय को छुड़ाने के लिए समाजवादी नेता जीतू शर्मा आगे आये। जीतू शर्मा पीड़ित के घर पहुंचे और पूरा मामला जाना। पक्ष गरीब है तो यहां दैनिक करंट क्राइम भी मदद के लिए आगे आया। इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

पुजारी को मिली थी दान में गाय, जिसे निगम वाले उठा ले गये
स्टोरी में आयेगा ट्विस्ट जब समाजवादी खोलेंगे गाय के लिए मोर्चा

वहीं समाजवादी ऐलान हो गया कि अगर सोमवार तक गाय अपने घर नहीं पहुंची तो नगर निगम का घेराव होगा। यहां पर अधिकारिक पक्ष लीगल है और करंट क्राइम में खबर प्रकाशित होने के बाद इस पूरी स्टोरी में गजब का ट्विस्ट आ गया। जो गाय 15 दिन में नहीं छूट सकी थी वो 15 घंटे में अपनी मालकिन के पास पहुंची। कहानी में लोनी विधायक की एन्ट्री हुई और फिर ऐसा हुआ कि पुजारी को वह गाय नगर निगम से वापस मिली जो उसे दान में मिली थी। दरअसल यहां पर नगर निगम के बड़े अधिकारी की सूझ बूझ और उनकी कार्यशैली की प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने यहां पर कानून से ज्यादा मनोविज्ञान पर काम किया। हिदायत भी दी और मदद भी की। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने गाय का मामला सामने आते ही इसका संज्ञान लिया और अधिकारी से बात की। और सबसे बड़ी बात ये कि इस आवाज को प्रमुखता से उठाने वाले समाजवादी युवजन सभा के अध्यक्ष जीतू शर्मा वहां मौके पर पहुंचे और उनकी देख रेख में ही गाय की सुपुर्दगी हुई। अंत भला तो सब भला, के साथ में मां बेटा अपनी गाय पाकर सबका आभार व्यक्त करते नजर आये। 15 दिन से गाय का मामला चल रहा था और रविवार को इस पर चार एक्शन हुए तो रिएक्शन के रूप में समाधान आ गया। पहला एक्शन करंट क्राइम की खबर का हुआ। दूसरा एक्शन समाजवादी नेताओं का था। तीसरा एक्शन भाजपा विधायक का था और चौथा एक्शन नगर आयुक्त ने लिया।

जब विधायक ने करंट क्राइम पढ़ने के बाद मिलाया अधिकारी को फोन

करंट क्राइम। दैनिक करंट क्राइम में रविवार की सुबह खबर प्रकाशित हुइ और इस खबर को लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने पढ़ा। लोनी विधायक पहले से ही गऊ, गंगा और गाय को आराध्या मानते हैं। वो धर्म और संस्कार से जुड़कर चलते हैं। जब उन्होंने पढ़ा कि किसी गरीब की गाय है तो उन्होंने सीधा नगर आयुक्त को फोन मिलाया। इसके बाद समस्या का समाधान निकल आया। यहां कानून के साथ साथ मानवीयता को वरीयता दी गई। गाय मालिक की आर्थिक स्थिति को देखते हुए समाधान की ओर बढ़े और गाय मिल गई।

जब मिली गाय तो महिला बोली बहुत मेहरबानी हम बहुत परेशान थे

करंट क्राइम। जो काम सोमवार को होना था वो काम समाजवादी ऐलान और विधायक के फोन के बाद रविवार को ही हो गया। गाय मालकिन की खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसे रविवार को बुलाकर गाय दी गई। समाजवादी नेता जीतू शर्मा ने जब गाय को चारा खिलाया और सौंपा तो महिला ने सबका आभार व्यक्त किया। उसने जीतू शर्मा से कहा कि बहुत मेहरबानी, हमारी गाय छुड़वा दिये हैं। हम बहुत परेशान थे, बहुत चक्कर काटे और आपका बहुत बहुत आभार।

गऊ मालिक दे ध्यान अगर खुले मिले पशु तो लगेगा जुर्माना

करंट क्राइम। नगर निगम ने इस स्पेशल केस में भले ही जुमार्ना माफ करते हुए मानवीय आधार पर गाय को वापस किया है। लेकिन निगम अधिकारियों ने नियम का हवाला देकर सभी से अपील की है कि सरकार की गाइडलाईन का पालन करे। अगर दुधारू गाय बाहर घूमती मिली तो नगर निगम की टीमें उसे पकड़ेंगी और दस हजार का जुमार्ना भी लगेगा। इसलिए गाय के मालिक ये ध्यान दें कि उनकी गाय बाहर ना घूमें। यह इसलिए भी है ताकि आप जिस पशु को पाल रहे हैं वह पोलिथीन आदि ना खाये, उसे समय से चारा मिले और उसके पालन में लापरवाही ना बरती जाये। निगम अधिकारियों ने भी जनता से अपील की है कि कानून का पालन करें। क्योंकि निगम दस्ते को सड़कों पर घूमते दुधारू पशुओं को नन्दी पार्क ले जाना है। उन्हें नहीं पता कि ये गाय दान की है या कीमत की है, कानून का

जब समाजवादी लीडर को सौंपी नगर निगम ने गाय

करंट क्राइम। गरीब महिला की जिस गाय को भाजपा पार्षद नहीं छुड़वा सके। उस गाय को समाजवादियों ने छुड़वा दिया। हालांकि इस पूरे मामले में नगर आयुक्त और भाजपा विधायक का एक बड़ा रोल रहा। लेकिन समाजवादियों ने आगे आकर इस आवाज को उठाया। इसलिए उनका भी बड़ा योगदान है। रविवार को छुट्टी के दिन नन्दनी पार्क में पीड़ित महिला पहुंची, उसका पुत्र पहुंचा, समाजवादी नेता पहुंचे और निगम कर्मचारियों ने सपा नेता जीतू शर्मा को गाय सौंपी और उन्होंने गाय को उसकी मालिक महिला को सुपुर्द किया।

भाजपा क्यों कर रही है 20 साल पुराने उपचुनाव के नतीजे और समीकरण को लेकर मंथन

भाजपा नहीं है ओवर कॉन्फिडेंस का शिकार और वो चुनावी परिस्थितियों पर गहन चिंतन

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा उपचुनाव की तैयारियों में है और दिसम्बर माह से पहले ही गाजियाबाद सदर सीट पर विधानसभा का उपचुनाव होना है। लेकिन सूत्र बताते हैं कि भाजपा इस चुनाव को 2017 या 2022 के चश्मे से नहीं देख रही है। वो इसे उपचुनाव के तरीके से देख रही है और सबसे खास बात ये है कि भाजपा उपचुनाव की प्रकृति, उपचुनाव के मतदान प्रतिशत और उपचुनाव में वोट प्रतिशत का लेकर काम कर रही है। वो 20 साल पीछे जाकर मंथन कर रही है। भाजपा में 2004 के उपचुनाव वाले नतीजे पर मंथल चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा यहां कई ऐंगलों पर काम कर रही है। वो अति आत्मविश्वास का शिकार नहीं है और वो उपचुनाव को इस दृष्टि से देख रही है कि अबसे पहले विधानसभा का चुनाव किस तरीके से लड़ा गया था, इस पर गहन वर्किंग चल रही है। सूत्र बताते हैं कि इसे लेकर एक रिपोर्ट तैयार हुई है जो पार्टी आला कमान को भेजी गई है। इस रिपोर्ट में 2004 के उपचुनाव वाले पूरे आंकड़े हैं। भाजपा चुनावी इतिहास की बारीकी पर काम कर रही है। वो 20 साल पुराने आंकड़ें निकाल रही है। वो इन्हीं पर मंथन कर रही है।

तब दोनों चुनाव हारी थी भाजपा और सुरेन्द्र कुमार मुन्नी बने थे विधायक

करंट क्राइम। 2004 में उपचुनाव हुआ था। तब सरकार सपा की थी। सुरेन्द्र मुन्नी इस चुनाव में जीते थे। कांग्रेस के सतीश त्यागी दूसरे नंबर पर रहे थे। भाजपा की सुनीता दयाल तीसरे नंबर पर रहीं थी और बसपा के मुनीष पंडित चौथे नंबर पर रहे थे। यदि आज की परिस्थितियों से तुलना करें तो आज भाजपा में उपचुनाव हो रहा है लेकिन भाजपा जीती है। तब भाजपा विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनाव हार गई थी। भाजपा के बालेश्वर त्यागी को कांग्रेस के सुरेन्द्र गोयल ने हराया था और फिर सुरेन्द्र गोयल ने ही लोकसभा चुनाव में भाजपा के रमेश चंद तोमर को हरा दिया था। उपचुनाव हुआ तो भाजपा फिर हारी और यहां समाजवादी पार्टी के सुरेन्द्र मुन्नी ने कांग्रेस के सतीश त्यागी को हराया और भाजपा की सुनीता दयाल तीसरे नंबर पर रह गईं। बसपा के मनीष पंडित चौथे स्थान पर आये थे। आज परिस्थितियां अलग है। आज सरकार भाजपा है और भाजपा लोकसभा चुनाव में जीत है और उससे पहले वह इस सीट पर विधानसभा चुनाव भी जीत चुकी है।

2004 में ये रही थी चुनावी हालात की पूरी तस्वीर

करंट क्राइम। भाजपा उपचुनाव पर मंथन कर रही है और उसने 20 साल पुरानी उपचुनाव की रिपोर्ट निकाल ली। वो पूरी तरह एक्टिव है और 20 साल में सियासी गंगा में बहुत पानी बहा है। तब एक चुनाव को लेकर एक उत्साह था। चुनावी तस्वीर की बात करें तो 2004 में यह चुनाव हुआ था। उस समय शहर विधानसभा को गाजियाबाद विधानसभा कहते थे और यहां टोटल मतदाताओं की संख्या 745192 थी। कुल पोलिंग स्टेशन 602 थे और 14 उम्मीदवार मैदान में थे। उस समय यहां मतदान प्रतिशत 28.79 रहा था। यहां विधायक निर्वाचित हुए सपा के सुरेन्द्र कुमार मुन्नी को 64173 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर आये कांग्रेस के सतीश त्यागी को 52715 वोट मिले थे। भाजपा की सुनीता दयाल को 44324 वोट मिले थे और बसपा के मनीष पंडित को 42162 वोट मिले थे।

कमिश्नरेट से भेजे गए एक और एसीपी बाहर

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में बीते 20 दिनों के दौरान यहां से एक के बाद एक तबादलें हो रहे हैं। वहीं तीन आईपीएस अधिकारियों के बाद अब एसीपी स्तर के एक अधिकारी का भी तबादला हो गया है। रविवार को एक तबादला लिस्ट जारी हुई है। जिसमें 6 एसीपी पद के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव हुआ है। पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में सहायक पुलिस आयुक्त अजीत कुमार रजक को पुलिस उपाधीक्षक जौनपुर बनाकर भेजा गया है। बता दें कि इससे पहले पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में डीसीपी सिटी रहे कुंवर ज्ञानजंय सिंह को हापुड़ भेजा गया है। तो वहीं डीसीपी विवेक चंद्र यादव को लखनऊ और फिर लखनऊ से प्रयागराज पोस्टिंग दी गई है। वहीं आईपीएस अधिकारी शुभम पटेल का भी बीते दिनों तबादला लखनऊ हो गया। उनके तबादले के बाद अजीत कुमार रजक का भी तबादला हो गया है। यह पूर्व में सीएम सिक्योरिटी में जाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन सफलता नहीं मिल पाई थी। सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद से कई और अधिकारियों के तबादले की लिस्ट सामने आ सकती है।

जारी है भाजपा सियासत में टॉयलेट एक पॉलिटिकल कथा और व्यथा का सीन जारी

कैबिनेट मंत्री ने नगर आयुक्त को लिखा पत्र और कहा नियमानुसार करें आवश्यक कार्रवाई

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। स्वच्छता को लेकर भाजपा का अभियान है। स्वच्छता की ऐसी अखल कि पीएम से लेकर सीएम और डीएम तक ने झाडू उठा लिये। टॉयलेट का निर्माण सरकार की प्राथमिकताओं में रहा। लेकिन जिस विधानसभा में भाजपा को पूरे देश में सबसे बड़ा जनादेश मिला है। उस विधानसभा के एक वार्ड का सबसे बड़ा क्लेश ये है कि वहां ठेकेदार ने टॉयलेट पर ताला डाल दिया और ताला खुलवाने को लेकर भाजपा की ही एक पूर्व पार्षद और भाजपा के मौजूदा पार्षद आमने सामने आ गये। टॉयलेट पर ताला लगा है और मामला अब कैबिनेट मंत्री के पास पहुंचा है। दैनिक करंट क्राइम ने इस मामले को पहले भी प्रकाशित किया था। फिलहाल पूर्व पार्षद और मौजूदा पार्षद की आपसी लड़ाई में टॉयलेट का ताला खुलता नहीं दिखाई दे रहा। पूर्व पार्षद ने कैबिनट मंत्री को पत्र लिखा और कैबिनेट मंत्री ने पत्र पर नगर आयुक्त को निर्देश दिये हैं कि इस प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही करें।

पूर्व पार्षद मंजुला गुप्ता ने लिखा पत्र, कहा जनता को मिले टॉयलेट का लाभ

करंट क्राइम। पूर्व पार्षद मंजुला गुप्ता ने कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को पत्र लिखा। उन्हें अवगत कराया कि मेरे पार्षद कार्यकाल में जनता के विशेष अग्राह पर सुगम पब्लिक टॉयलेट, हाथी पार्क के सामने मेरे अनुरोध पर तैयार कराया गया था। यह टॉयलेट अभी तक जनता को नहीं सौंपा गया है। सीनियर सिटीजन आये दिन मुझे फोन करते हैं और पूछते है कि सुगम पब्लिक टॉयलेट की सुविधा कब शुरू होगी। उन्होंने कैबिनेट मंत्री के संज्ञान में यह लाते हुए कहा कि 9 सितम्बर 2022 को 85 प्रतिशत टॉयलेट बनकर तैयार हो गया था अब इसमें केवल ऐससरीज लगनी रह गई है। लिहाजा मंत्री जी से अनुरोध है कि नगर निगम के संज्ञान में लाकर यह सुविधा जनता को समर्पित करने का कष्ट करें।

जब ठेकेदार को मिला आधा भुगतान तो उसने डाल दिया टॉयलेट पर ताला

करंट क्राइम। इन्दिरापुरम की टॉयलेट एक पोलिटिकल कथा की व्यथा भी पुरानी है। इन्दिरापुरम के नीति खंड में हाथी पार्क के सामने ये टॉयलेट बनाया गया था। बताया जाता है कि इस टॉयलेट के निर्माण पर लगभग 20 लाख रुपए की लागत आई थी। टॉयलेट का संचालन भी उसी फर्म द्वारा किया था जिसने इसका निर्माण किया है। लेकिन जब ठेकेदार को हाफ पेयमेंट हुई तो उन्होंने भी साफ कर दिया कि जब तक पूरी पेयमेंट नहीं होगी, ताला नहीं खुलेगा और उन्होंने इस पर ताला लगा दिया।

पूछते हैं वर्तमान पार्षद ऐसे कैसे लग गये 20 लाख

करंट क्राइम। टॉयलेट की कथा ही दो भाजपा पार्षदों की व्यथा से जुड़ी है। एक पार्षद पूर्व हो चुकीं हैं और दूसरे पार्षद मौजूदा हैं। पूर्व पार्षद चाहतीं हैं कि टॉयलेट का ताला खुले और यहां पर पता चला है कि वर्तमान पार्षद धीरज अग्रवाल ने इस मामले में पहले ही पत्र लिखा था। उनका कहना ये है कि टॉयलेट में 20 लाख रुपए खर्च ही नहीं हुए हैं। वो चाहते हैं कि टॉयलेट के निर्माण की धनराशि का दोबारा से आंकलन हो और सही रेट लगाये जायें। यही कथा और यही व्यथा है।

भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के नाम पर एक विधायक मचाने वाले हैं क्रान्ति

जब से पता चला है उन्हें मामला नहीं मिल रही है उनके दिल को शांति

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद की भगवा सियासत में रोज कुछ ना कुछ घट रहा है। जिनकी सरकार है उन्हीं की अफसरों से तकरार है। एक तरफ सरकार वाले मोर्चा खोल रहे हैं और तकरार कर रहे हैं वहीं उसी भाजपा के कमांडर अफसरों से तारीफों वाला इजहार कर रहे हैं। कार्यकर्ता हैं कि दोनों पक्षों को देख रहे है और इंतजार कर रहे हैं कि वो दिन कब आयेगा जब तबादला हो जायेगा। बहरहाल सबका अपना अपना जरिया है और सब अपनी अपनी सरकारों में अपने मामले होल्ड होते देख रहे हैं। सरकार के नुमाइंदें अपनी ही पिच पर खुद को बोल्ड होते देख रहे हैं। किस्सा भाजपा के एक पूर्व अध्यक्ष से जुड़ा है और सूत्र बताते हैं कि किस्से में विधायक आ गये हैं। जिस किस्से में अभी तक शांति थी उस किस्से में अब क्रान्ति आयेगी। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष कागज के टुकड़े पर मुहर ना लगने से परेशान हैं। अपनी सरकार अपना मयार और फिर भी कागज के टुकड़े पर कोई मुहर लगाने को नहीं है तैयार। पूर्व अध्यक्ष अपने इस दर्द को पहले भी बता चुके हैं। लेकिन कोई हकीम सियासत में ऐसा नहीं मिला जो इस दर्द की दवाई दे दे। सूत्र बताते हैं कि पूर्व अध्यक्ष और क्रान्तिकारी विधायक की मुलाकात हो गई। जब मुलाकात हुई तो हाल-ए-दिल भी बताया गया और ट्विस्ट तब आ गया जब पूर्व विधायक सामने पूर्व अध्यक्ष ने कागज के टुकड़े का किस्सा सुना दिया। बताते हैं कि किस्से में क्रान्ति तब आई जब विधायक के सामने पांच हजार रुपए की डिमांड वाली बात समाने आयी। पता चला कि कागज के टुकडे पर मुहर ना लगने की राह में सबसे बड़ी बाधा दस हजार का आधा यानी पांच हजार मुद्रा वाला मामला है। पूर्व अध्यक्ष ने बता दिया कि ये डिमांड पूरी हो जाती तो कागज के टुकड़े पर मुहर लगने की तमन्ना पूरी हो जाती। क्रान्तिकारी विधायक ने जब यह सुना तो उनके मन को शांति नहीं है। अब पूर्व अध्यक्ष ने तो अपनी जुबान से बोल दिया लेकिन सूत्र बताते हैं कि क्रान्तिकारी विधायक ने अंदर ही अंदर मोर्चा खोल दिया है। लंबे चौड़े लैटर तैयार हो गये हैं। कागज के टुकड़े को लेकर क्रान्तिकारी विधायक एक अधिकारी को घेरने की तैयारी में है। वो ललकार की तैयारी कर रहे हैं। अब सियासत में ही ये किस्सा गूंज रहा है।

संपादकीय

सब तक लाभ पहुंचाने की भावना

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए आरक्षण की व्यवस्था से जुड़े एक मामले में फैसला दिया कि राज्य सरकारें इन श्रेणियों में उपश्रेणियां बना सकती हैं ताकि इनमें ज्यादा पिछड़ी जातियों के लिए सब-कोटा निर्धारित किया जा सके। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है।

यह इस सवाल से जुड़ा है कि SC/ST के तहत आने वाले समूहों को एक समान माना जाना चाहिए या नहीं। 2004 में चर्चित ईवी चिन्नैया मामले में सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों की पीठ ने फैसला दिया था कि इन कैटिगरी में सब-कैटिगरी नहीं बनाई जा सकती। मगर सात सदस्यों की बेंच ने ताजा फैसले में इसे पलट दिया। चूंकि इस सवाल पर देश में अलग-अलग और काफी तीखी राय देखी जाती रही है, इसलिए फैसले के संभावित असर को लेकर कयासबाजी शुरू होना स्वाभाविक है।

सच यही है कि रिजर्वेशन की व्यवस्था का फायदा भी SC/ST कैटिगरी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है। अच्छी बात यह है कि कोर्ट ने उन आशंकाओं को नजरअंदाज नहीं किया, जो इस फैसले से जुड़ी हैं। फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है।

यह फैसला इस लिहाज से भी याद रखा जाएगा कि मसले की जटिलता की झलक पीठ के सदस्यों की अलग-अलग राय में भी मिलती है। ऐसे उदाहरण कम मिलते हैं कि 6:1 के बहुमत से दिए गए फैसले में भी छह ओपिनियन सामने आएं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी तो बहुमत की राय से असंतुष्ट रहीं, लेकिन जो छह जज बहुमत की राय से सहमति रखते हैं, उनके भी पांच अलग-अलग फैसले आए। इनमें क्रीमी लेयर को SC/ST पर भी लागू करने और आरक्षण को एक पीढ़ी तक सीमित करने जैसे अलग-अलग तरह के कई सुझाव दर्ज हुए।

साफ है कि कानून के लिहाज से बहुमत का फैसला ही मान्य होगा, लेकिन पीठ के सदस्यों के वैयक्तिक फैसलों में जाहिर हुए ये सुझाव आगे विमर्श की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। कुल मिलाकर, फैसला न सिर्फ पॉलिसी के लेवल पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

शेयर बाजार में इन कंपनियों की हालत रही खराब, निवेशकों को हुआ नुकसान

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह कुल मिलाकर 1,28,913.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस सबसे अधिक नुकसान में रहीं।

टीसीएस को हुआ सबसे अधिक नकुसान

समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 37,971.83 करोड़ रुपये घटकर 15,49,626.88 करोड़ रुपये पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान टीसीएस को ही हुआ। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 23,811.88 करोड़ रुपये घटकर 7,56,250.47 करोड़ रुपये पर आ गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 16,619.51 करोड़ रुपये घटकर 6,11,423.11 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की 13,431.54 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 7,56,717.85 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मूल्यांकन 13,125.49 करोड़ रुपये घटकर 20,28,695.57 करोड़ रुपये पर आ गया।

भारती एयरटेल को भी लगा झटका

भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 11,821.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 8,50,389.88 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 7,843.75 करोड़ रुपये घटकर 8,42,176.78 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,288 करोड़ रुपये घटकर 6,32,862.41 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 32,759.37 करोड़ रुपये बढ़कर 12,63,601.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 1,075.25 करोड़ रुपये बढ़कर 7,47,677.98 करोड़ रुपये रहा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 350.77 अंक या 0.43 प्रतिशत नीचे आया।

1 पर 1 शेयर फ्री देगी यह कंपनी, खरीदने की मच गई लूट

नई दिल्ली। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयरहोल्डर्स के लिए अच्छी खबर है। कंपनी के बोर्ड मेंबर ने 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी हर एक शेयर पर कंपनी के एक शेयर अतिरिक्त दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 5% चढ़कर 15.92 रुपये पर बंद हुए। शेयरों के हाल पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड के शेयर आज 15.92 रुपये है। पिछले पांच दिन में यह शेयर 8% और एक महीने में 25% गिर गए थे। सालभर में यह शेयर 50% तक चढ़ गए। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 35.82 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 43.90 करोड़ रुपये है।

कंपनी का कारोबार

पीवीवी इंफ्रा लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है जो मुख्य रूप से सोलर एनर्जी छत स्थापना करती है। कंपनी पूरे भारत में औद्योगिक, आवासीय, वाणिज्यिक और फ्लोटिंग सोलर रूफटॉप सिस्टम की स्थापना के लिए एंड-टू-एंड ईपीसी सेवाएं और संपूर्ण एनर्जी मैनेजमेंट समाधान प्रदान करती है। कंपनी के पूंजी आधार में वृद्धि से विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विभिन्न निविदाओं और बोली प्रस्तावों के लिए अर्हता प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कंपनी केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न रूफटॉप सौर योजनाओं का लाभ उठा रही है और ऐसे लाभ कम लागत और सर्वोत्तम क्वालिटी वाले कंपोनेंट्स के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

कैसा था शुक्रवार को बाजार

घरेलू शेयर बाजार में पिछले पांच सत्रों से जारी तेजी का दौर शुक्रवार को थम गया। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के दबाव में बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी भारी गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 885.60 अंक यानी 1.08 प्रतिशत फिसलकर 80,981.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 998.64 अंक गिरकर 80,868.91 अंक तक आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 293.20 अंक यानी 1.17 प्रतिशत गिरकर 24,717.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 324.05 अंक फिसलकर 24,686.85 पर आ गया था इसके साथ ही शेयर बाजार में पिछले पांच दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने लगातार नए रिकॉर्ड स्तरों को हासिल किया।

170 रुपये के पार जाने वाला है टाटा का यह शेयर, 75% बढ़ गया कंपनी का प्रॉफिट

नई दिल्ली। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में बड़ी गिरावट के बीच टाटा ग्रुप के भी कुछ शेयर दबाव में नजर आए। इस दौरान टाटा की कंपनी टाटा स्टील के शेयर भी क्रैश हो गए। करीब 17,300 करोड़ रुपये की आकस्मिक देनदारी की चिंताओं के बीच टाटा स्टील लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। हालांकि, टाटा स्टील के शेयर पर एक्सपर्ट काफी हद तक पॉजिटिव हैं।

शेयर का हाल

टाटा स्टील के शेयर की गुरुवार की क्लोजिंग 163.05 रुपये थी। वहीं, शुक्रवार को यह शेयर 154.60 रुपये के निचले स्तर तक गिर गया। कारोबार के अंत में यह शेयर करीब 3 फीसदी टूटकर 158.20 रुपये बंद हुआ। 18 जून 2024 को यह शेयर 184.60 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। नवंबर 2023 में शेयर 114.25 रुपये के स्तर पर था, जो 52 हफ्ते का लो है।

ब्रोकरेज का अनुमान

एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा स्टील के शेयर पर 175 रुपये का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही एक्सिस सिक्योरिटीज ने कहा- आकस्मिक देनदारियों का मामला तब तक लटका रहेगा जब तक कि भविष्य में केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन करके एक सीमा नहीं ला दी जाती। वहीं, ए'१ं सिक्योरिटीज के मुताबिक शेयर का टारगेट प्राइस 171 रुपये तय किया गया है।

जून तिमाही के नतीजे

टाटा स्टील का जून, 2024 को समाप्त तिमाही में नेट प्रॉफिट 75 प्रतिशत बढ़कर 918.57 करोड़ रुपये हो गया। खर्चों में कमी की वजह से कंपनी अधिक मुनाफा दर्ज कर पाई है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी ने 524 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी की कुल आय घटकर 55,031 करोड़ रुपये रह गई। एक साल पहले समान तिमाही में यह 60,666.48 करोड़ रुपये रही थी।

17 रुपये पर पहुंच गया पावर कंपनी का यह शेयर

नई दिल्ली। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में भूचाल के बीच पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी- रतनइंडिया पावर के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन ट्रेडिंग के दौरान यह शेयर 3.98 प्रतिशत बढ़कर 17.50 रुपये प्रति शेयर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, 17.30 रुपये पर शेयर की क्लोजिंग हुई। एक दिन पहले के मुकाबले यह 2.79% की बढ़त को दिखाता है। 4 जून 2024 को शेयर की कीमत 21.13 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। इस शेयर के 52 हफ्ते का लो 4.67 रुपये है।

शानदार रहे तिमाही नतीजे

शेयर की कीमत में वृद्धि कंपनी द्वारा जून तिमाही के मजबूत नतीजों की घोषणा के बाद आई। वित्तीय वर्ष 2025 की जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा 93 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 549.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इसके अलावा परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में 10 प्रतिशत सालाना बढ़कर 931.8 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2014 की जून तिमाही में 847.3 करोड़ रुपये था। इसी तरह, परिचालन स्तर पर एबिटा से पहले की कमाई 20 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 188.6 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में एबिटा मार्जिन 170 से बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया, जो वित्त वर्ष 2024 की जून तिमाही में 18.5 प्रतिशत था।

बिजली की खपत में ग्रोथ

कंपनी ने बताया कि देश ने पिछले 13 वर्षों में मजबूत ग्रोथ देखी है। भारत में बिजली की खपत 11 प्रतिशत बढ़ गई। इस तिमाही के दौरान कुल उत्पादन 482 बिलियन यूनिट (बीयू) था, जिसमें विंड, सोलर समेत अन्य रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान केवल 62 बीयू या लगभग 13 प्रतिशत था। 148 गीगावॉट की कुल स्थापित रिन्यूएबल एनर्जी कैपिसिटी के बावजूद थर्मल कोयला-आधारित बिजली संयंत्रों से देश में बिजली उत्पादन की रीढ़ बने रहने की उम्मीद है।

राशिफल

मेष: आज का दिन खास रहने वाला है। आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आपको किसी का सहयोग प्राप्त होगा। माता-पिता के साथ तीर्थ स्थल पर जाने का योग है।

वृष: आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सुधार करने में सक्षम होंगे और आपको प्रसिद्धि की सहज प्रगति होगी। व्यापार में उन्नति और आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार संभव है।

मिथुन: ऑफिस के कामों में आपकी रुचि रहेगी। नौकरी, व्यवसाय और करियर के मामलों में आगे बढ़ने का समय है। आपकी पहचान और पद में वृद्धि हो सकती है।

कर्क: पुराने काम फायदेमंद हो सकते हैं। कोई पुराना दोस्त भी अचानक काम आ सकता है। आपके लिए जो भी काम खास हो उसे आज ही कर लें।

सिंह: आज का दिन अच्छा रहने वाला है। किसी काम में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। बेहतर होगा कि अपने आत्मविश्वास को कम न होने दें, पूरी लगन से काम लें।

कन्या: आपको व्यापार और आर्थिक प्रयासों से लाभ मिलेगा। पुराने निवेश से भी आपको लाभ मिल सकता है। आप अपनी पसंद की जगह पर जा सकते हैं।

तुला: आज आपको धैर्य रखना चाहिए, क्योंकि आपकी समझ और प्रयास आपको अवश्य ही सफलता दिलाएंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी।

वृश्चिक: आप किसी विवाद या उलझे हुए मामले को सुलझाने का प्रयास कर सकते हैं। सफलता मिलने के योग हैं। पुरानी बातों को छोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करें।

धनु: आज का दिन खुशियां लेकर आया है। आपकी सोच और योजना स्पष्ट होगी। आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आज आपको कई तरह के अनुभव हो सकते हैं।

मकर: भाग्य आपको आपके वास्तविक लक्ष्य से विपरीत दिशा में ले जाने की राह पर है। महिलाओं का सहयोग मिलेगा और सलाह के बाद काम करना फायदेमंद रहेगा।

कुंभ: व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए आज का दिन बेहतर है। जरूरी सामान समय पर नहीं मिलने से तनाव रहेगा। आमदनी में निश्चितता रहेगी।

मीन: अधिकांश काम पूरे हो सकते हैं। लाभ मिल सकता है। दोस्तों के साथ भी कोई प्रोग्राम बना सकते हैं। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने का प्रयास करें।

चुटकुले

गौरव ने अपनी मां से कहा -
मां, आज मैंने एक लड़के की खूब धुनाई की...!
मां ने पूछा - क्यों बेटा...?
गौरव ने कहा - उसके पास मेरा पेन था, वह मांगने पर भी नहीं दे रहा था...!
मां ने कहा - लेकिन बेटा, तुम तो अपना पेन घर पर ही भूल गए थे...!

मनोज - पापा, आप अंधेरे से डरते हैं...?
पापा - नहीं बेटा...!
मनोज - बादल, बिजली और शोर से...?
पापा - बिल्कुल नहीं...!
मनोज - इसका मतलब है पापा, आप मम्मी को छोड़कर किसी से भी नहीं डरते हैं...!

पप्पू गुस्से में बैंक से बाहर आते हुए बड़बड़ा रहा था - दूध वाले हड़ताल करते हैं, तो दूध सड़क पर फेंक देते हैं...! टमाटर वाले हड़ताल करते हैं, तो टमाटर सड़क पर फेंक देते हैं...!
न जाने बैंक वालों को कब अक्ल आएगी...!

रोचक तथ्यों का करंट

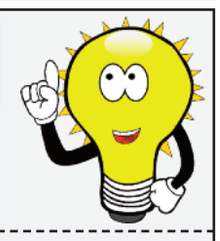

- यह अभी भी हर साल 35-55 किलोग्राम अंगूर और 100 बोतलों (250 एमएल प्रत्येक) का उत्पादन करती है।
- अंगूर दिल के दौरे के जोखिम को कम करने में मदद करते हैं क्योंकि वे खून में नाइट्रिक एसिड के स्तर में वृद्धि करते हैं जो रक्त के थक्कों को रोकता है।
- अंगूर फ्रूट के मीठे और खट्टे स्वाद आपके मनोदशा को दुरुस्त करते हैं और आपको तनाव और अवसाद मुक्त बनाते है।
- क्या आप जानते हैं? नवीनतम वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि कॉनकॉर्ड के रूप में जाने जाने वाले बैंगनी रंग के अंगूर से प्राप्त रस से, स्तन कैंसर के विकास को रोका जा सकता है।
- अंगूर और किशमिश कुत्तों के लिए गंभीर रूप से विषाक्त हैं और गुर्दा की विफलता का कारण बन सकता है। अंगूर खाने के कुछ घंटो के बाद, कुत्ते को उल्टी, दस्त, अत्यधिक प्यास, अत्यधिक पेशाब और सुस्ती हो सकती है। और तो और इसका कोई विषहर औषध नहीं है! इसलिए कुत्तों को अंगूर कभी ना खिलाएं!
- क्या आप जानते हैं? ऑस्ट्रेलिया प्रति वर्ष 1.4 अरब लीटर वाइन का उत्पादन करता है।

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, MoÜ 09899655497
Email: currentcrimenews@gmailÜcom
Website: wwwÜcurrentcrimeÜcom

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए।जी।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

करंट क्राइम

परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

05 08 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

काजोल
अभिनेत्री

आक्षी शर्मा, मधु शर्मा, पूजा गिलोत्रा, रितु कौर, नरेश भाटी पार्षद, मुशीर रसीद मंसूरी, सतेंद्र चौधरी, जोगिंदर दास, पीताम्बर त्यागी
संजय सिद्धार्थ, जतिन कसाना, ओमप्रकाश शर्मा, आशीष चौधरी, राजकुमार कुशवाह, श्रीराम, साजिद मलिक, सोनू पटेल, प्रदीप गौतम
बृजपाल सिंह, गिरजेश यादव, नितिश दीक्षित, सोनू सिंह, सनी सिंह पंवार, योगेश कसाना, संजय शर्मा, विकास नागपाल, विनय शर्मा, मोहन सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

हॉकी के सेमीफाइनल में भारत

पेनल्टी शूट आउट में ग्रेट ब्रिटेन को हराया

पेरिस। भारत ने ग्रेट-ब्रिटेन को पेरिस ओलंपिक की हॉकी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में रविवार को शूटआउट में 4-2 से हरा कर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। निर्धारित 60 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद शूटआउट के जरिए विजेता का फैसला हुआ। पीआर श्रीजेश एक बार फिर अपनी स्मार्ट गोलकीपिंग से टीम की जीत के हीरो रहे। शूटआउट में भारत ने अपने चार निशाने साधे, जबकि ग्रेट-ब्रिटेन दो निशाने ही लगा पाया। पिछले टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले भारत ने इस जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली है। जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी और समर्थक खुशी से झूम उठे।

1972 म्यूनिख ओलंपिक के बाद यह पहला मौका जब भारत लगातार दो ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचा है। मैच के पहले 15 मिनट गोलरहित रहे। दोनों ही टीमों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। इसके बाद मैच के दूसरे क्वार्टर में भारतीय हॉकी टीम ने धांसू वापसी की है। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल करके भारत को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1-0 से आगे कर दिया । हालांकि, ये बढ़त ज्यादा देर तक भारत के पक्ष में नहीं रही और ली मोर्टन ने गोल करके ग्रेट ब्रिटेन

को 1-1 की बराबरी दिला दी। हाफटाइम तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर रहा और अंत तक दोनों ही टीमें स्कोर आगे बढ़ाने में सफल नहीं रही। अपना आखिरी ओलंपिक खेल रहे पीआर श्रीजेश ने एक बार फिर अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाते हुए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 60 मिनट में शानदार बचाव किए और फिर पेनल्टी शूटआउट में महत्वपूर्ण बचाव करके और अपनी स्मार्ट गोलकीपिंग से ब्रिटेन के कोनोर विलियमसन को वाइड हिट करने पर मजबूर करके टीम के लिए जीत की राह मुमकिन की।

यह भारत के लिए एक प्रेरणादायक प्रदर्शन था क्योंकि उन्होंने एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद लगभग 43 मिनट खेला, लेकिन उन्होंने योद्धाओं की तरह लड़ाई लड़ी और ग्रेट ब्रिटेन को पछाड़ने और सेमीफाइनल में पहुँचने में सफल रहे। अमित रोहितदास को इस मुकाबले के 17वें मिनट में रेड कॉर्ड दिखाया गया। ये भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका था, क्योंकि मैच के पहले क्वार्टर के बाद से ही टीम के एक मुख्य खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ा और फिर भारतीय टीम ने 10 खिलाड़ियों से खेलने के बावजूद शूटऑउट में जीत दर्ज की।

अमित की स्टिक विल कैललन के चेहरे पर लगी थी, ऐसे में जर्मनी के वीडियो अंपायर का मानना था कि अमित ने जानबूझकर ऐसा किया है। ऐसे में मैदानी अंपायर ने वीडियो अंपायर की सलाह पर अमित को रेड कार्ड दिखा दिया। लेकिन भारतीय खिलाड़ियों का मानना था कि ये जानबूझकर नहीं हुआ है। वीडियो अंपायर यदि येलो कार्ड देते तो ज्यादा उचित होता। लेकिन जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों को इस घटना का मलाल नहीं रहा।

लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में हारे, कांस्य के लिए ली जी जिया से खेलेंगे

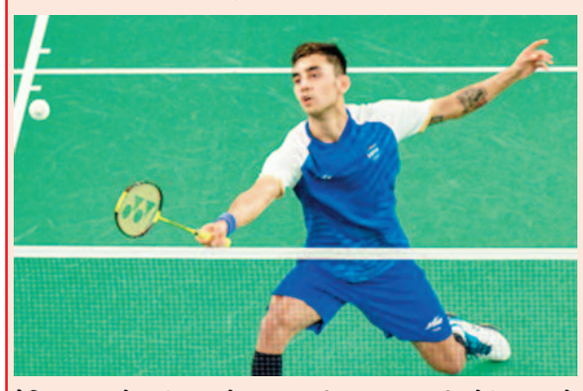

पेरिस। लक्ष्य सेन रविवार को पुरुष एकल सेमीफाइनल में डेनमार्क के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन से 20-22, 14-21 से हार गए। सोमवार को कांस्य पदक के मुकाबले में लक्ष्य का मुकाबला मलेशिया के ली जी जिया से होगा। जबकि फाइनल में एक्सेलसन का मुकाबला थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न से होगा। पहले गेम में लक्ष्य ने शुरूआत में ब्रेक तक 11-9 से बढ़त हासिल कर ली। हालाँकि, दोनों खिलाड़ी लंबी, तीव्र रैलियों में लगे रहे, जिसमें कोर्ट में बहाव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसने कभी-कभी एक्सेलसन की सटीकता को बाधित कर दिया, जिससे लक्ष्य को प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिली। एक्सेलसेन की रणनीति भारतीय शटलर के स्मार्ट खेल के बावजूद लक्ष्य को शक्तिशाली स्मैश से लुभाने के इर्द-गिर्द घूमती रही। यहां तक कि 20-17 पर तीन अंकों से पिछड़ने के बाद, एक्सेलसेन ने वापसी की और पहला गेम 22-20 से जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने जल्द ही 7-0 की बढ़त बना ली, लेकिन अपने चैंपियन फॉर्म के अनुरूप एक्सेलसेन ने वापसी करते हुए गेम को 10-10 से बराबर कर दिया। ब्रेक तक लक्ष्य 11-10 से आगे होने में कामयाब रहे। हालाँकि, एक्सेलसेन का अनुभव और लचीलापन सामने आया क्योंकि उन्होंने खेल के उत्तरार्ध में कई शक्तिशाली हमले किए। लक्ष्य, अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, हमले का सामना नहीं कर सके और गेम हाथ से निकल गया, और एक्सेलसन के पक्ष में 21-14 से समाप्त हुआ। एक्सेलसन की जीत ने उन्हें लगातार दूसरे ओलंपिक एकल फाइनल में स्थान दिला दिया, जहां उनका सामना थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न से होगा। विशेष रूप से, डेनिश उस्ताद ने अभी तक पेरिस में कोई गेम नहीं हारा है। लक्ष्य सेन के लिए, यात्रा यहीं समाप्त नहीं होती है। सोमवार को कांस्य पदक मैच में उनका सामना मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जो उनके ओलंपिक अभियान को उच्च स्तर पर समाप्त करने का मौका है।

क्वार्टर फाइनल में हारीं लवलीना

मुक्केबाजी में भारत की मेडल की आस खत्म

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारत की मुक्केबाजी में मेडल की आस समाप्त हो चुकी है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोगोर्हेन इस बार चूक गईं और क्वार्टर फाइनल में मिली हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी हैं। 75 किलोग्राम भारवर्ग में भारत की लवलीना का सामना रविवार को चीन की विश्व नंबर एक चीन की ली कियान से था। लवलीना हार गईं और पुरुष-महिला मुक्केबाजी में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। लवलीना को महिलाओं के 75 किग्रा भार वर्ग की क्वार्टर फाइनल बाउट में चीन की ली कियान से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। लवलीना को चीनी खिलाड़ी ली कियान ने 4-1 से शिकस्त दी। निखत जरीन के बाहर होने के बाद लवलीना पदक जीतने की प्रबल दावेदार थी। लेकिन

शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी मुकेबाज ने लवलीना के खिलाफ यह मुकाबला आसानी से जीत लिया। जीत से लवलीना के लिए पदक पक्का हो जाता, क्योंकि ओलंपिक मुक्केबाजी में दो कांस्य पदक दिए जाते हैं, जिसमें दो हारने वाले सेमीफाइनलिस्ट को कांस्य मिलता है। टोक्यो 2020 में, लवलीना ने 69 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। इससे पहले विजेंदर सिंह और मैरी कॉम के बाद ओलंपिक में पदक जीतने वाली केवल तीसरी भारतीय मुक्केबाज बनी थीं। हालांकि, उन्होंने इस बार 69 किग्रा वर्ग में नहीं, बल्कि 75 किग्रा वर्ग में भाग लिया जिसके लिए उन्हें और अधिक मेहनत करनी पड़ी। असम की मुक्केबाज ने अपने नए वर्ग में अच्छी तरह से खुद को ढाल लिया था और उसी में मौजूदा विश्व चैंपियन बनीं। मौजूदा ग्रीष्मकालीन खेलों में एकमात्र सीड प्राप्त भारतीय मुक्केबाज, लवलीना ने इस सप्ताह की शुरूआत में नॉर्वे की सुन्नीवा हॉफस्टेड के खिलाफ 5-0 की सर्वसम्मति से जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की। पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में लवलीना को हार का सामना करना पड़ा था, जहां वह कियान से 5-0 से हार गई थीं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था।

जूलियन अल्फ्रेड ने रिचर्डसन को

चौंकाकर 100 मीटर का खिताब जीता

पेरिस। जूलियन अल्फ्रेड ने स्टेड डी फ्रांस में प्रबल दावेदार शा'कैरी रिचर्डसन को 10.72 सेकेंड में महिलाओं की 100 मीटर में हराकर स्वर्ण पदक जीता और सेंट लूसिया को खेलों के इतिहास में अपना पहला ओलंपिक पदक दिलाया। एथेंस 2004 के बाद पहली बार महिलाओं की 100 मीटर में एक नया चैंपियन मिला है, जब जमैका की दिग्गज स्प्रिंट खिलाड़ी शैली-एन फ्रेजर प्राइस चोट के कारण सेमीफाइनल से हट गईं। अल्फ्रेड ने यह जीत अपने दिवंगत पिता को समर्पित की जिनकी 11 साल पहले मृत्यु हो गई थी। सबसे महत्वपूर्ण, भगवान, मेरे कोच और अंत में, मेरे पिता, जिनका मानना था कि मैं यह कर सकती हूं। 2013 में उनका निधन हो गया, और अब वह मुझे मेरे करियर के सबसे बड़े मंच

पर नहीं देख सके। लेकिन वह मुझे अपनी बेटी के ओलंपियन होने पर हमेशा गर्व करेंगे। मौजूदा विश्व चैंपियन यूएसए की रिचर्डसन ने 10.87 सेकेंड के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनकी हमवतन मेलिसा जेफरसन ने 10.92 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। अटलांटा 1996 के बाद पहली बार अमेरिकी धावकों ने इस स्पर्धा में दो पदक जीते हैं। दूसरी ओर, फ्रेजर-प्राइस, जो अपना पांचवां और आखिरी ओलंपिक खेल रही थी, टोक्यो में टीम साथी एलेन थॉम्पसन-हेरा के उपविजेता स्थान के बाद, ओलंपिक खेलों में 100 मीटर में अपना लगातार पांचवां पोडियम फिनिश हासिल करने के लिए प्रयासरत थी। तीन साल पहले 10.60 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ इतिहास की तीसरी सबसे तेज महिला, फ्रेजर-प्राइस ने 2007 विश्व चैंपियनशिप में जमैका की 4७100 मीटर रिले टीम के हिस्से के रूप में वैश्विक मंच पर अपनी शुरूआत के 17 साल बाद फरवरी में अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की।

माहेश्वरी, रायजा महिलाओं के स्कीट क्वालीफिकेशन में 14वें और 23वें स्थान पर रहीं

चेटोरौक्स। भारतीय निशानेबाज माहेश्वरी चौहान और रायजा ढिल्लों क्रमशः 14वें और 23वें स्थान पर रहीं और महिलाओं के स्कीट फाइनल के लिए कट-ऑफ से पीछे रह गईं, जिससे रविवार को पेरिस ओलंपिक में क्वालीफिकेशन स्पर्धा में उनका अभियान समाप्त हो गया।

मौजूदा एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता माहेश्वरी ने मजबूत शुरूआत की और चौथे दौर के अंत तक मजबूत दावेदारी में थीं। उनके निरंतर प्रदर्शन ने उन्हें फाइनल के लिए कट-ऑफ अंक तक पहुंचा दिया। फिर भी, आखिरी दौर का दबाव चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। तीन महत्वपूर्ण चूकों के परिणामस्वरूप स्कोर 22/25 हो गया, जिससे उसका कुल स्कोर 118/125 रहा। इससे वह फाइनल में पहुंचने वाले शीर्ष छह निशानेबाजों के बाहर 14वें स्थान पर आ गईं।

दूसरी ओर, रायजा की पहले दिन की शुरूआत चुनौतीपूर्ण रही। हालाँकि, उसने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया और बाद के राउंड में दृढ़ प्रयास के साथ शुरूआती कमी को पूरा किया। उसके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, अंतर पूरी तरह से दूर करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ। उसने क्वालीफिकेशन स्पर्धा को 113/125 के स्कोर के साथ 23वें स्थान पर समाप्त किया, और शीर्ष 20 से पीछे रह गई।

भारतीय पहलवानों की नजरें कुश्ती में पदक का सिलसिला जारी रखने पर होंगी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के 10वें दिन सोमवार से कुश्ती प्रतियोगिता शुरू होने जा रही हैं। भारत को कुश्ती में पिछले कुछ ओलंपिक से लगातार पदक मिलता आया है और पहलवानों को अगर यह सिलसिला जारी रखना है तो विनेश फोगाट सहित सभी छह पहलवानों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत ने बीजिंग ओलंपिक 2008 से लेकर प्रत्येक ओलंपिक खेल में कुश्ती में पदक जरूर जीता है। ऐसे में सभी की निगाहें अनुभवी पहलवान विनेश पर टिकी रहेंगी जिनका पिछला कुछ समय उथल-पुथल में बीता है। विनेश ने विश्व चैंपियनशिप में दो, राष्ट्रमंडल खेलों में तीन और एशियाई चैंपियनशिप में आठ पदक जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक पदक नहीं जीत सकी है।

विनेश दावेदार, पर नहीं मिला पर्याप्त मौका

महिला पहलवान विनेश पदक लाने की प्रबल दावेदार हैं, लेकिन ओलंपिक से पहले विनेश को अभ्यास का पर्याप्त मौका नहीं मिला। वह भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप को लेकर धरना प्रदर्शन करने वाली प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रही। विनेश की चुनौतियां यहीं पर समाप्त नहीं हुई। वह विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकीं। अंतिम पंघाल ने उनके वजन वर्ग 53 किग्रा में कोटा हासिल कर दिया। इस कारण विनेश को 50 किग्रा वजन वर्ग में अपनी चुनौती पेश करनी पड़ रही है। वह गैर वरीयता प्राप्त है जिसका मतलब है कि उनका सफर आसान नहीं होगा।

विनेश के लिए आसान नहीं होगी राह

विनेश के इस वजन वर्ग में कई दिग्गज पहलवान शामिल हैं जिनमें चार बार की विश्व चैंपियन युई सुसाकी, चार बार की ओलंपिक पदक विजेता मारिया स्टैडनिक, टोक्यो खेलों की कांस्य विजेता सारा हिल्डेब्रांट और दो बार की विश्व पदक विजेता डोलगोरजाविन ओटगोंजरगल प्रमुख हैं। अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा) और अमन सहरावत (पुरुषों का 57 किग्रा) भी पदक के दावेदारों में शामिल हैं। अंशु की फिटनेस को लेकर हालांकि संदेह बना हुआ है क्योंकि अभ्यास के दौरान उनकी गर्दन में ऐंठन आ गई थी।

अनुकूल नहीं अंतिम की तैयारी

अंतिम पंघाल की तैयारी भी अनुकूल नहीं रही हैं। उन्हें पिछले साल एशियाई खेलों के बाद प्रतियोगिताओं में किसी तरह की कड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है। पीठ की चोट के कारण वह इस साल मार्च में एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाई थीं। भारत पहली बार महिलाओं के 76 किग्रा हैवीवेट वर्ग में चुनौती पेश करेगा जिसमें रीतिका दांव लगाएगी। उन्हें पदक का दावेदार नहीं माना जा रहा है लेकिन वह छुपा रुस्तम साबित हो सकती है और अपने प्रदर्शन से लोगों को चौंका सकती है। ओलंपिक में चुनौती पेश कर रहीं भारत की एक अन्य पहलवान निशा दहिया के पास बहुत कम अनुभव है। वह महिलाओं के 68 किग्रा भार वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगी।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर वानिंदु हसरंगा

कोलंबो। श्रीलंका के स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह जेफ्री वेंडरसे को टीम में शामिल किया गया है। हसरंगा ने सीरीज के पहले वनडे मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की थी। भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मैच से पहले यह खबर श्रीलंका के लिए एक बड़ा झटका है। हसरंगा हैमस्ट्रिंग के कारण भारत के खिलाफ पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला 4 अगस्त को खेला जाएगा। हसरंगा श्रीलंका के लिए स्टार खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने शुक्रवार को पहले मैच में भारत को बराबरी पर रोकने में अहम भूमिका निभाई थी।

पारुल चौधरी महिलाओं की 3000 मी स्टीपलचेज फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं

पेरिस। भारतीय धाविका पारुल चौधरी रविवार को यहां हीट 1 में आठवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। पारुल, जो 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में चार बार की राष्ट्रीय चैंपियन हैं और पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था, ने स्टेड डी फ्रांस में अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 9:23.39 का समय निकाला। वह फाइनल में जगह नहीं बना पाई क्योंकि हीट में केवल शीर्ष पांच एथलीट ही पदक स्पर्धा में आगे बढ़े। 29 वर्षीय भारतीय एथलीट महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। उन्होंने पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में 5000 मीटर में स्वर्ण और 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक जीता था। इसके अलावा, पारुल एशियाई खेलों में 5,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

इमाने खेलीफ का पदक पक्का, क्वार्टर फाइनल जीतते ही रो पड़ीं

पेरिस। पिछले साल लैंगिक जांच में जैविक रूप से पुरुष बताकर विश्व चैंपियनशिप में अयोग्य घोषित कर दी गई अल्जीरिया की महिला मुक्केबाज इमाने खेलीफ सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इमाने के खिलाफ पहले मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी नाक पर पंच पड़ने के बाद 46 सेकंड में मुकाबले में हट गई थीं। इमाने के अलावा ताइवान की लिन यू-टिंग के भी महिला वर्ग में भाग लेने पर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। तमाम विवाद और सुर्खियों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का कहना है कि इमाने और लिन खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

खेलीफ ने पदक पक्का किया

हालांकि, अब इमाने ने महिला मुक्केबाजी के 66 भारवर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है और अपने देश के लिए एक पदक (कम से कम कांस्य) पक्का कर लिया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हंगरी की अना लुका हैमोरी को 5-0 से हरा दिया। सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ

वह अल्जीरिया की सातवीं पदक विजेता मुक्केबाज बन गई हैं। महिला मुक्केबाजी में अल्जीरिया का यह पहला ओलंपिक पदक है। खलीफ और लिन ने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में भी प्रतिस्पर्धा की थी लेकिन पदक नहीं जीता था। जीत और पदक पक्का करने के बाद इमाने रिंग में ही रोने लगीं।

विपक्षी मुक्केबाज ने क्या कहा?

वहीं, अना लुका ने मैच के बाद कहा- यह एक कठिन मैच था, लेकिन मुझे लगता है कि मैं वह सब कुछ कर सकती थी जो मैं लड़ाई से पहले चाहती थी। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी लड़ाई थी। मुझे खुद पर बहुत गर्व है और मैं यहां आने के लिए बहुत आभारी हूं। मैं हर बाउट का आनंद लेने में सक्षम थी और मैं एक पल के लिए भी निराश नहीं हुई। अभी तो यही स्थिति है, लेकिन कौन जानता है कि भविष्य में क्या होगा। मैंने खिलाड़ी की तरह व्यवहार करने की कोशिश की, ताकि मेरा प्रतिद्वंद्वी कुछ भी मेरे बारे में बुरा न कह सके।

संबंध विच्छेद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमने अपनी पुत्री सना को उसके गलत व्यवहार के कारण अपनी चल -अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी नैतिक अनैतिक कार्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी हमारी व हमारे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

प्रार्थीगण
शाहिद पुत्र रियाजुद्दीन
एवं श्रीमती नसीमा बानो पत्नी शाहिद
निवासीगण-मकान नंबर- 755/2,मसूरी,
जिला-गाजियाबाद

ओलंपिक मेडलिस्ट स्वप्निल कुसाले ने कहा- इतनी मेहनत करूंगा कि अगली बार इस पदक का रंग बदल सकूं

पेरिस। स्वप्निल कुसाले जिस सपने को पिछले 12 वर्षों से जी रहे थे वह ओलंपिक पदक के रूप में बृहस्पतिवार को पूरा हो गया। इस पदक के बाद उन्हें रेलवे ने प्रमोशन भी दे दिया महाराष्ट्र सरकार ने एक करोड़ रुपये के इनाम की भी घोषणा कर दी। बावजूद इसके स्वप्निल सामान्य हैं। स्वप्निल अमर उजाला से कहते हैं कि वह ओलंपिक पदक विजेता जरूर बन गए हैं, लेकिन उनमें कुछ बदलाव नहीं होने जा रहा है। वह कल जैसे थे वैसे अब भी रहेंगे, बल्कि यह पदक उन्हें शूटिंग में और कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करेगा, जिससे वह अगले ओलंपिक में इस पदक का रंग बदलने के लायक बन सकें।

अब माता-पिता के कष्ट दूर करने की बारी मेरी

स्वप्निल को जब पदक पहनाया जा रहा था तो उनकी नजर वहां मौजूद भारतीयों और तिरंगे पर थी। वह कहते हैं कि यह पदक भारत का है और देश को ही समर्पित है। स्वप्निल के निशानेबाजी के इस सफर में उनके पिता सुरेश महादेव कुसाले ने भी काफी संघर्ष किया। स्वप्निल भी कहते हैं कि माता-पिता ने उनके लिए बहुत कुछ दिया। अब उनके लिए करने की बारी मेरी है। स्वप्निल कहते हैं कि वह उनके सारे कष्टों को दूर करने की कोशिश करेंगे। उनकी माता-पिता से बात हुई, वह बेहद भावुक हो गए थे। उनसे बात कर मैं भी भावुक हो गया।

कोच ने नीलिंग पैड ठीक नहीं कराया होता तो दिक्कत हो जाती

स्वप्निल बताते हैं कि फाइनल से पहले वह नीलिंग पोजीशन को लेकर दिक्कत में थे। उनके निशाने सही नहीं बैठ रहे थे। वह परेशान थे। इस बारे में उन्होंने कोच दीपाली देशपांडे से बात की। अंत में पता लगा कि उनके नीलिंग पैड में दिक्कत है। यात्रा के समय यह पैड दब गया, जिसके चलते उनका घुटना इस पैड पर सही से सेट नहीं हो पा रहा था। इस कारण उनकी पोजीशन खराब हो रही थी, जिससे स्कोरिंग पर फर्क पड़ रहा था। कोच ने ही उन्हें पैड में टिश्यू पेपर भरवाए और तब पोजीशन ठीक हुई। अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उन्हें मैच में बड़ी समस्या आ सकती थी।

"सार्वजनिक नोटिस"

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ–3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:–

क्र0 सं0	आवंटी/पटटेदार का नाम	भूखण्ड सं0 /योजना का नाम	आवेदक का नाम	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/ पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	श्रीमती सुमित्रा सिंह पत्नी श्री योगेन्द्र सिंह	D-500, गोविन्दपुरम	श्री सुरेन्द्र पाल सिंह व श्री राजीव सिंह पुत्रगण स्व0 श्री योगेन्द्र सिंह	D-500, लेन नं0–11, गोविन्दपुरम, निकट एच–ब्लॉक वाटर टैंक, गाजियाबाद 9899583008	आवंटी श्रीमती सुमित्रा सिंह का देहान्त दि0 05.11.2021 को होने के कारण	फ्री–होल्ड

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा स्तम्भ–4 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अन्तरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नही किया जायेगा।

सहा0 प्रभारी सम्पत्ति
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
गाजियाबाद।

रक्तदान अमूल्य दान है, मानवता की भलाई के लिए रक्तदान करें : अतुल गर्ग

सन्त निरंकारी मिशन ने गाजियाबाद में किया रक्तदान शिविर का आयोजन

231 श्रद्धालुओं ने निस्वार्थ भाव से किया रक्तदान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मानवमात्र के कल्याणार्थ सतगुरु माता सुदीक्षा एवं राजपिता रमित के पावन आशीर्वाद एवं दिव्य मार्गदर्शन में ब्रांच गाजियाबाद में 4 अगस्त को सन्त निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन (सन्त निरंकारी मिशन का सामाजिक विभाग) ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस आयोजन में मिशन के 231 भक्तों ने निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। रक्त संग्रहित करने के लिए एमएमजी अस्पताल व दिल्ली के गुरुतेग बहादुर ब्लड बैंक की टीम उपस्थित रही। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया और जनकल्याण को समर्पित उनकी निस्वार्थ सेवा एवं बहूमूल्य योगदान के लिए भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रक्तदान अमूल्य दान है, मानवता की भलाई के लिए सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सन्त निरंकारी मिशन के रक्तदान शिविर में लगी लाइनों को देखकर बहुत ही प्रशंसा हो रही है। मानवता के प्रति किए जा रहे इस अतिमहत्वपूर्ण कार्य के लिए सभी बधाई के पात्र हैं। इसके अतिरिक्त संयोजक सतीश गांधी ने रक्तदान शिविर में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों जिनमें दीपक भाटी (समाचार संपादक करंट क्राइम), शीतल देओल चौधरी (निगम पार्षद), रक्तदाताओं, डॉक्टर एवं उनकी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सन्त निरंकारी मिशन मानवता की सेवा में अग्रणी

करंट क्राइम। सन्त निरंकारी मिशन वर्ष 1986 से निरंतर रक्तदान शिविर का आयोजन करता आ रहा है। बाबा हरदेव सिंह के दिव्य संदेश 'रक्त नालियों में नहीं नाड़ियों में बहना चाहिए' को मिशन का प्रत्येक भक्त निस्वार्थ सेवा भावना से चरितार्थ कर रहा है। वर्तमान समय में भी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के निर्देशानुसार इस मुहिम को निरंतर बढ़ाया जा रहा है। सन्त निरंकारी मिशन रक्तदान करने में समूचे देश में अग्रणी रहा है। मिशन ने अब तक 8405 रक्तदान शिविरों के आयोजन से 13,71,293 यूनिट रक्त एकत्रित किया है। रक्त एकत्रित करने से पूर्व डॉक्टर की टीम ने रक्तदाताओं की सभी तरह की जांच की।

समाज का समुचित विकास ही मिशन का उद्देश्य

करंट क्राइम। सन्त निरंकारी मिशन आध्यात्मिक उत्थान के साथ-साथ समाज कल्याण की गतिविधियों जिनमें मुख्यतः रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, महिला एवं बाल विकास सशक्तिकरण में अग्रणी है। सन्त निरंकारी मिशन में सुचारु रूप से चलाई जा रही योजनाएं निःशुल्क नेत्र जांच शिविर एवं प्राकृतिक आपदाओं में जरूरतमंदों की सहायता इत्यादि सेवाएं सम्मिलित हैं। समाज का समुचित विकास ही मिशन का उद्देश्य रहा है।

गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन की 41वीं वार्षिक आमसभा आयोजित

विगत वर्ष संस्था के लिए एक सफल वर्ष रहा : एसके तिवारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन की 41वीं वार्षिक आमसभा होटल रेडिशन ब्लू कौशाम्बी गाजियाबाद में शनिवार को संपन्न हुई। इस सभा में संस्था की गवर्निंग व एग्जीक्यूटिव समिति सहित काफी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। इस सभा में वर्ष 2023-24 संगठन ने जो कार्य किए, उसकी रिपोर्ट सचिव सीए अनिल अग्रवाल ने प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 विभिन्न क्रियाकलापों से भरपूर रहा जिसमें लगभग सभी विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सभा ने ध्वनिमत से इस पर हर्ष व्यक्त किया। संस्था का वित्तीय लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने प्रस्तुत किया। सभा ने ध्वनिमत से उनका अनुमोदन किया। सभा को अध्यक्ष एसके तिवारी ने सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष संस्था का एक सफल वर्ष था। इसमें न केवल सदस्यों की संख्या बढ़ी अपितु कई नए कार्यक्रम जैसे एमएसएमई पर फोकस, महिला सशक्तीकरण आदि विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने भविष्य की योजनाओं से भी अवगत कराया। अंत में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष टीपी पांडेय ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सभा का संचालन संस्था के कार्यकारी निर्देशक राहुल अग्रवाल ने किया।

अजय गुप्ता के नाती अभ्यम का जन्मदिन मना धूमधाम से

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। व्यापारी नेता समाजसेवी अजय गुप्ता के नाती अभ्यम अग्रवाल का 5वा जन्मदिन धूम धाम से मनाया गया। श्रीनाथ जी बैंकेट हॉल में आयोजित भव्य आयोजन में समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंच कर अभयम को आशीर्वाद शुभाशीष प्रदान किए। इस अवसर पर अग्रवाल परिवार की और से शिवम अग्रवाल अपूर्वा अग्रवाल तथा अग्रवाल परिवार के सदस्यों ने सभी गेस्ट का आभार व्यक्त किया। अभ्यम के नाना अजय गुप्ता नानी रमा गुप्ता ने अपने नाती अभ्यम के जन्मदिन पर उसे आशीर्वाद शुभाशीष देने वाले सभी मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

अध्यात्म और संस्कार से कर सकते हैं नशा मुक्त समाज का निमार्ण:ममता गुप्ता

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजस्थान के माउंट आबू में आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय शिविर में गाजियाबाद से माया ममता चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष ममता गुप्ता ने अपने विचार रखे। ब्रह्मकुमारी ज्ञान सरोवर द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा व्यापार एव उद्योग में सफलता के लिए शिविर आयोजित किया गया। नेशनल वर्कशॉप एंड मेडिटेशन शिविर में ममता गुप्ता ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि जीवन में अध्यात्म योग मेडिटेशन बहुत जरूरी है। एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण की नींव इन्ही से रखी जाती है। ममता गुप्ता ने कहा कि अगर बच्चो को धर्म से, संस्कार से, योग से, अध्यात्म से जोड़ा जाए तो वो कभी नशे की और जायेंगे ही नहीं। ममता गुप्ता ने शिविर की विशिष्ट खूबियों को भी सबके सामने रखा। माउंट आबू में आयोजित इस कार्यक्रम में देश भर से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

हापुड़ में उधार बीयर न देने पर तानी पिस्टल

हापुड। बीयर के लिए दबंग जान लेने पर उतर आए हैं। तीन युवकों ने बीयर शॉप की दुकान पर पहुंचकर दो बीयर मांगी। सेल्समेन ने बोतल निकालकर काउंटर पर रखी और पेमेंट मांगा। इस बीच दबंगो ने सीने पर पिस्टल अड़ा दी। इसके बाद वहां जान से मारने की धमकी देकर निकल गए। पीड़ित ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा दर्ज कराते हुए मोहल्ला मोहन नगर कॉलोनी के नितिन शर्मा ने बताया कि पांच वर्षो से रिलायंस रोड स्थित बीयर के ठेके पर सैलमैन के पद पर तैनात है।

कई थानों के लिए सर्च हो रहे हैं फेस

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा संपन्न होने के बाद अब चर्चा सुनाई दे रही है कि फिर से सिटी, नदियापार और देहात जोन के लिए नए फेस की तलाश हो रही है। देखना होगा कि पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में लिस्ट कब तक जारी की जाती है। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि कुछ थाना प्रभारी ऐसे हैं जो खतरे की रडार पर आ सकते हैं। तो कुछ समय पूरा होने की वजह से बदलाव का शिकार होंगे। सूत्र बता रहे हैं कि 2 जोन में डीसीपी स्तर के नए अधिकारियों का आगमन भी पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के थाना प्रभारियों का कुछ गणित बिगड़ने का काम कर सकता है। वही लोकल वाले सूत्र बता रहे हैं कि पास वाले कमिश्नरेट में 2015 बैच के दिए जो फरमान आया था, वह लागू हो गया है। वही उम्मीद की जा रही है जल्द ही पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम गाजियाबाद में भी उसे अमल में लाया जाएगा। वहीं पूर्व में तबादले का शिकार हुए कुछ थ्री-स्टार को सोमवार की रात तक रिलीव भी किया जा सकता है। वही सुनने में यहां तक आया है कि 15 बैच वाले जो कुछ थानाध्यक्ष व चौकियों के प्रभारी हैं उनके लिए भी प्लेस और रिप्लेस को लेकर बातचीत चल रही है। उधर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं की थाना प्रभारी कौन बनेगा और कौन हटेगा इसको लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है लेकिन लोकल सूत्र कह रहे हैं कि यह बदलाव वाला संकेत जल्द ही मिल सकता है। वहीं पुलिस के सूत्रों से सुनने में आया है कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में रविवार को भी एक एसीपी साहब का फेस और प्लेस बदल गया है। वैसे उन्होंने जहां जाने की तमन्ना पाली थी वो पूरी नहीं हो सकी है। तो आने वाले दिनों में कुछ सूचना और समाचार सामने आ सकते हैं। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट वाले गाजियाबाद में तीन से चार थाना प्रभारी के प्लेस और फेस बदले जाने के साथ ही अंडर ट्रांसफर वालों को भी रवाना किया जाएगा, जिसकी जल्द घोषणा होने वाली है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि पुलिस कमिश्नरेट में कई थानों के लिए बेस्ट फेस तलाश किया जा रहे हैं। कई एसीपी स्तर के अधिकारियों से इनको लेकर इनपुट लेने का काम भी किया गया है। देखना होगा कि पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में थाना प्रभारी वाली लिस्ट कब जारी होती है और इस लिस्ट आने के बाद पोस्टिंग में क्या टविस्ट आता है।

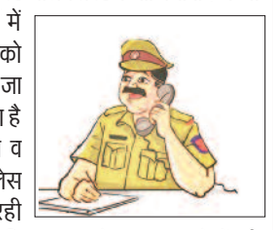

मारवाड़ी युवा मंच सूर्य शक्ति शाखा ने 'बंधन : एक आनंदमयी तीज' कार्यक्रम का किया आयोजन

'तीज की रानी' प्रतियोगिता का खिताब मफरी टीकमाराम ने जीता

नई दिल्ली। मारवाड़ी युवा मंच सूर्य शक्ति शाखा, संस्थापिका इंदु सिंघी, अध्यक्ष विनीता बैद के मार्गदर्शन में सचिव नीतू बोथरा और कोषाध्यक्ष मेघना डागा ने शनिवार को तीज के अवसर पर एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम 'बंधन' की मेजबानी की। इस कार्यक्रम में मनमोहक नृत्य, मनोरंजक नाटकों सहित कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। तम्बोला जैसे आकर्षक गेम्स भी खेले गए। कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई, जिसने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जीतेंद्र सिंह शंटी, सरोज सिपानी, मनोज गुप्ता, कृष्ण मोहन खेमका और एमवाईएम दिल्ली प्रांत के अध्यक्ष मुकेश बोथरा, सचिव रिंकू जैन भी उपस्थित थे। तीज की रानी का खिताब मफरी टीकमाराम ने जीता। तीज की रानी प्रतियोगिता की निर्णायक कुसुम लूनिया थीं। बंधन ने तीज का मुख्य उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम ने समुदाय के बीच एकजुटता को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की सफलता मारवाड़ी युवा मंच सूर्य शक्ति शाखा की पूरी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

रोटरी क्लब गाजियाबाद नॉर्थ ने किया निशुल्क पौध वितरण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। रोटरी क्लब गाजियाबाद नॉर्थ ने निशुल्क पौध वितरण किया। रविवार को कवि नगर रामलीला मैदान में रोटरी क्लब ने 1000 फलों व फूलों के पौधों का वितरण किया, जिनसे ऑक्सीजन और छाया प्राप्त होगी। यह वितरण 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत किया गया। निवासियों ने बड़ी संख्या में आकर पौधे प्राप्त किए। इस अवसर पर रोटरी क्लब गाजियाबाद नॉर्थ के अध्यक्ष सचिन गुप्ता, चेयरमैन ललित जायसवाल, मोहित गुप्ता, आलोक गर्ग, प्रमोद गोयल, मुकुल जैन, मनोज अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, संयम तलवार, मनीष वशिष्ठ, मुकुल गुप्ता सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शादी समारोह में बुजुर्ग महिला से की छेड़छाड़

नोएडा। नोएडा के एक शादी समारोह में बुजुर्ग महिला के साथ छेड़खानी करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता और उसके दो बेटों के साथ मारपीट भी की। पीड़िता फरीदाबाद की रहने वाली है। बताया जा रहा है कि आरोपी बुजुर्ग पीड़िता की बड़ी बहन का देवर है। महिला की शिकायत पर थाना फेज-3 पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में फरीदाबाद की रहने वाली महिला ने बताया कि वह कुछ दिन पहले अपनी बड़ी बहन की बेटी की शादी में शामिल होने नोएडा आई थी। जब शादी की रस्में चल रही थीं, तो उसकी बहन के देवर घनश्याम सिंह ने उसे आंख मारी और गलत हरकत की। महिला ने घनश्याम की हरकतों को नजरअंदाज कर दिया। उसकी गंदी हरकतें आगे भी जारी रहीं।

नोएडा में गुजरात की कंपनी से ठगी

नोएडा। गुजरात की एक कंपनी के साथ नोएडा में ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि नोएडा की दो कंपनियों ने करीब 63,96,611 रुपये हड़प लिए। पीड़िता की शिकायत पर थाना सेक्टर-63 पुलिस ने दो कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गुजरात के वडोदरा निवासी राधेश्याम सिंह तोमर ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि वह स्टैंडर्ड सिक्योरिटी एंड मैन पावर सॉल्यूशन नामक कंपनी में मैनपावर, सुरक्षाकर्मी और पेरोल मैनेजमेंट का काम करते हैं। उन्होंने सेक्टर-63 स्थित नोएडा की दो कंपनियों आरव इंटरनेशनल और शगुन क्रिएशन के साथ पेरोल मैनेजमेंट का काम किया था। दोनों कंपनियों ने उन्हें वर्क ऑर्डर की शर्तों के अनुसार तय समय में पैसे देने का वादा किया था। शर्तों के अनुसार उनके कर्मचारियों के खातों में 49,28,053 रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके अलावा 9,75,753 रुपये जीएसटी और 4,92,805 रुपये सर्विस चार्ज बनाया गया। इस वर्क ऑर्डर के अनुसार दोनों कंपनियों को तय अवधि में कुल 63,96,611 रुपये का भुगतान करना था, लेकिन दोनों कंपनियों ने भुगतान के एवज में चेक दिए।

बांग्लादेश में फिर भड़का आरक्षण विरोधी आंदोलन

32 लोगों की मौत, प्रदर्शनकारियों का शेख हसीना के साथ बातचीत से इनकार

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन जारी है। शनिवार को एक बार फिर से बांग्लादेश में तनाव बढ़ गया। आंदोलन कर रहे छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के बातचीत के निमंत्रण के ठुकरा दिया है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा है और इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका की प्रमुख सड़कों की घेराबंदी कर दी।

बांग्लादेश में क्यों हो रहा है विरोध प्रदर्शन : आपको बता दें कि बांग्लादेश में हाल ही में पुलिस और छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच हिसंक झड़पें हुईं हैं। दरअसल, प्रदर्शनकारी छात्र विवादित आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इसके तहत बांग्लादेश के लिए वर्ष 1971 में आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता संग्रामियों के परिवारों के लिए 30 प्रतिशत सरकारी नौकरियां आरक्षित की गईं हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि प्रदर्शनकारी छात्रों ने ढाका की प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है। इस वजह से लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। उधर, अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षा बलों को सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने ढाका में कई जगह प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।

शुक्रवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने प्रदर्शनकारी छात्रों से बातचीत के माध्यम से हिंसा को खत्म करने का अनुरोध किया था। शेख हसीना ने अपने आधिकारिक आवास में बातचीत के लिए छात्रों को आमंत्रित किया था। मगर प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि वे सरकार के साथ बात करने के लिए सहमत नहीं हैं।

बांग्लादेश में कर्फ्यू की घोषणा, इंटरनेट सेवाएं ठप

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। इस बीच बांग्लादेश सरकार ने रविवार शाम छह बजे से पूरे बांग्लादेश में कर्फ्यू लगाने का एलान किया है। रविवार को बांग्लादेश में जारी हिंसा में 32 लोगों की मौत हो गई। प्रदर्शनकारी छात्र लगातार प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा मांग रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेनी में हिंसा के दौरान पांच लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा सिराजगंज में चार, मुंशीगंज में तीन, बोगुरा में तीन, मगुरा में तीन, भोला में तीन, रंगपुर में तीन, पाबना में दो, सिलहट में दो, कोमिल्ला एक, जयपुरहाट में एक ढाका में एक और बारीसाल में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से पूरे देश में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। कर्फ्यू के दौरान फेसबुक, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम, मोबाइल इंटरनेट को बंद किया जाएगा।

शेख हसीना ने बुलाई बैठक : रविवार को प्रदर्शनकारियों और सत्ताधारी आवामी लीग के समर्थकों के बीच झड़प में 32 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा बांग्लादेश के अलग अलग हिस्सों में हजारों लोग जुटे और शेख हसीना के इस्तीफे की मांग करने लगे।

प्रदर्शनकारी और अवामी लीग के समर्थक भिड़े

आंदोलनकारियों ने की प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी और सत्तारूढ़ अवामी लीग के समर्थक आपस में भिड़ गए। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 लोग घायल हो गए। इसके अलावा देश के कई अन्य इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आग लगाई। कई कार्यालयों में तोड़फोड़ की। ढाका में रविवार सुबह प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर हजारों प्रदर्शनकारी शाहबाग में एकत्र हुए थे। प्रदर्शनकारी रैली निकालकर प्रधान मंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और कोटा सुधार विरोध प्रदर्शनों के तहत हाल ही में हुई हिंसा में मारे गए लोगों के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगा रहे थे। इस दौरान मुंशीगंज में प्रदर्शनकारियों को अवामी लीग, छात्र लीग और जुबो लीग के कार्यकताओं के समर्थकों के विरोध का सामना करना पड़ा। यहां हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा साइंस लैब चौराहे पर भी प्रदर्शनकारियों ने भी सरकार विरोधी नारे लगाए। इसके अलावा बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बीएसएमएमयू) में कई वाहनों को आग लगा दी गई। कुछ लोगों ने अस्पताल परिसर में निजी कारों, एम्बुलेंस, मोटरसाइकिलों और बसों में तोड़फोड़ की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ढाका की विज्ञान प्रयोगशाला, धानमंडी, मोहम्मदपुर, टेक्निकल, मीरपुर-10, रामपुरा, तेजगांव, फार्मगेट, पंथापथ, जतराबारी और उत्तरा में भी विरोध प्रदर्शन और रैलियां होंगी। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और मदरसों के छात्रों के साथ-साथ श्रमिकों, पेशेवरों, राजनीतिक कार्यकताओं और अन्य सार्वजनिक सदस्यों से विरोध प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अमेरिका में सुपरहिट हुआ पीएम मोदी का पौधरोपण अभियान

ह्यूटन। पर्यावरण को बचाने की पहल में प्रवासी समुदाय को शामिल करने के लिए यहां स्थित भारतीय मिशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने विभिन्न सामुदायिक और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से जुलाई में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान का लक्ष्य भारत में सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से सितंबर 2024 तक 80 करोड़ पेड़ और मार्च 2025 तक एक अरब 40 करोड़ पेड़ लगाना है। प्रधानमंत्री ने भारत और विश्व भर में सभी लोगों से प्रकृति को श्रद्धांजलि स्वरूप एक पेड़ लगाने का आग्रह किया। वाणिज्य दूतावास ने कई पौधरोपण कार्यक्रम और एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की।

इन कार्यक्रमों में स्थानीय समुदाय और प्रवासी भारतीय शामिल हुए तथा पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक तौर पर काम करने के महत्व पर जोर दिया गया। वाणिज्य दूतावास ने छात्रों और भारतीय अमेरिकी समुदाय के सहयोग से छह स्थानों पर व्यापक तौर पर पौधारोपण अभियान चलाया।

पर्यावरण संरक्षण में योगदान को प्रोत्साहन

मिशन की तरफ से ह्यहैशटैगह्व एक पेड़ मां के नाम विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह पूर्वक भाग लिया। महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ ने बताया कि इन आयोजनों के माध्यम से भारतीय मिशन स्थानीय समुदाय और प्रवासी समूहों को इन पहल में शामिल होने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

अमेरिका में 6 स्थानों पर पौधारोपण

वाणिज्य दूतावास ने छात्रों और भारतीय अमेरिकी समुदाय के सहयोग से छह स्थानों पर पौधारोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर ह्यहैशटैगह्व एक पेड़ मां के नाम विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महावाणिज्य दूत डी सी मंजूनाथ ने पीटीआई भाषा को बताया कि इन आयोजनों के माध्यम से भारतीय मिशन स्थानीय समुदाय और प्रवासी समूहों को इन पहल में शामिल होने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है।

तेल अवीव में चाकूबाजी में दो लोगों की मौत

तेल अवीव। तेल अवीव के नजदीक चाकू से किए गए हमले में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गए। इसके बाद एक संदिग्ध फलस्तीनी हमलावर को घायल किया गया। बाद में उसकी अस्ताल में मौत हो गई। इस्त्राइल पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस्त्राइल की आपातकालीन चिकित्सा सेवा मेगन डेविड एडम ने एक बयान में कहा, इस्त्राइल के वाणिज्यिक केंद्र तेल अवीव के दक्षिणी उपनगर होलोन में कई स्थानों पर 'आतंकवादी हमले' हुए। यह घटना ऐसे समय में हुआ है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ हुआ है। गाजा पट्टी में इस्त्राइल और हमास के बीच युद्ध के करीब दस महीने बीत चुके हैं।

पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस्त्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के संदिग्ध को घटनास्थल पर पहुंचे एक पुलिस अधिकारी ने घायल किया। शमीर मेडिकल सेंटर ने कहा कि हमलावर को गंभीर हालत में होलोने के पास अस्पताल में ले जाया गया, जिसने उसके मृत घोषित कर दिया।

शहर के वोल्फसन अस्पताल ने बताया कि हमले के तुरंत बाद एक महिला (66 वर्षीय) और एक पुरुष (80 वर्षीय) बुरी तरह घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। इस्त्राइली समाचार वेबसाइट के मुताबिक, आपातकालीन सेवा ने बताया कि दो अन्य लोग घायल हो गए। इनमें एक (68 वर्षीय) की हालत गंभीर है जबकि दूसरा (26 वर्षीय) मामूली रूप से घायल हुआ है।

केरल में भूस्खलन की घटना पर चीनी प्रधानमंत्री ने जताया दुख

पीएम नरेंद्र मोदी को भेजा शोक संदेश

विशेष। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने केरल में भूस्खलन की घटनाओं को लेकर अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को शोक संदेश भेजा। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायल लोगों के प्रति संवेदना जताई। भूस्खलन के चलते राज्य में 300 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

भारत में चीन के राजदूत शु फेइहोंग ने एक्स पर कहा, ॠतीन अगस्त को प्रधानमंत्री कियांग ने केरल में भूस्खलन की घटनाओं पर प्रधानमंत्री मोदी को संवेदना संदेश भेजा। कियांग ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि केरल में भूस्खलन जैसी आपदा आई, जिसमें कई लोग हताहत हुए। चीन सरकार की ओर से उन्होंने शोक संतप्त परिवारों और घायलों के प्रति संवेदना जताई।

वायनाड जिले के चूरालमाला और मुंडक्कई में भूस्खलन से अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। वायनाड में खोज और बचाव अभियान रविवार को अपने छठे दिन में प्रवेश कर गया है। चरालमाला और मुंडक्काई में हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

बचाव अभियान के बारे में जानकारी साझा करते हुए वायनाड जिला कलेक्टर मेघाश्री ने बताया कि बचाव अभियान जोरों पर है और आज के अभियान के लिए 1300 से अधिक बलों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, बचाव अभियान जोर-शोर से चल रहा है। आज 1300 से ज्यादा बल तैनात हैं। स्वयंसेवक भी हैं। कल बचाव अभियान के लिए स्वयंसेवक वहां फंस गए थे। आज हम सावधानी बरत रहे हैं, ताकि ऐसा न हो।

इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने जानकारी दी कि चूरालमाला और मुंडक्कई इलाकों में पुलिस की रात की गश्त शुरू की गई है।

कमला हैरिस के पति ने स्वीकारी शादी के बाद भी संबंध की बात

शादी के पहले से ही बच्चों की स्कूल टीचर से चल रहा था अफेयर

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ ने अपनी पहली शादी के दौरान विवाहेत्तर संबंध की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि कमला हैरिस से मिलने और शादी से पहले उनका अपने बच्चों की स्कूल टीचर से अफेयर चल रहा था। वह गर्भवती भी हो गई थी और उसका गर्भपात हो गया था। हालांकि उन्होंने इस बारे में कमला हैरिस को बताया हुआ था। एक रिपोर्ट के अनुसार कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ अपनी पहली पत्नी क्रिस्टीन एमहॉफ से विवाह के बाद एक महिला के साथ रिश्ते में थे। वह महिला उनके बच्चों की टीचर थी। बताया गया कि क्रिस्टीन को जैसे ही संबंध के बारे में पता चला तो वह डग से अलग हो गईं थीं।

डग एमहॉफ के संबंध की बात पता चलने पर क्रिस्टीन ने 2009 में कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी डाली थी। जिसे 2010 में मंजूर कर लिया गया। इसके बाद दोनों अलग हो गए। क्रिस्टीन ने बताया कि डग और मैनें अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया था। वह मेरे बच्चों के अच्छे पिता, मेरे अच्छे दोस्त हैं। मैनें, डग और कमला ने मिलकर एक बेहतरीन परिवार बनाया है। इस पर मुझे गर्व है।

कमला को थी जानकारी : एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक कमला हैरिस को शादी से पहले एमहॉफ ने अफेयर की बात बताई थी। यह जानकारी 2020 में उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान जांच आयोग को भी दी गई थी। बता दें कमला हैरिस और डग की शादी 2014 में हुई थी। उनको कोई बच्चा नहीं है। डग के बच्चे हैरिस को मामाला कहते हैं।

बदले की आग में धधक रहा ईरान, किस-किसका करेगा काम तमाम!

इस्राइल को अमेरिका और ब्रिटेन से मदद की उम्मीद

येरुशलम। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर इस्त्राइल की चिंता बढ़ती जा रही है। अब इस्त्राइल को अमेरिका और ब्रिटेन से मदद की उम्मीद है। इस्त्राइली रक्षा अधिकारियों का कहना है कि वे ईरान की ओर से होने वाले संभावित हमले से पहले अमेरिका और ब्रिटेन के साथ समन्वय कर रहे हैं। अब इस्त्राइल को नाटो समझौते के तहत किया गया अब्राहम गठबंधन याद आ रहा है। गाजा में बीते 10 महीने से चल रहे इस्त्राइल-हमास युद्ध के बीच हमास के शीर्ष नेता हानिया की हत्या के बाद से ईरान की ओर से हमले की आशंका बढ़ गई है। हालांकि चार महीने पहले भी ईरान ने इस्त्राइल पर गोलीबारी की थी। इस दौरान 300 ईरानी ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं थीं। जिसे इस्त्राइल, अमेरिका और सहयोगियों ने नष्ट कर दिया था।

अब हानिया की हत्या के बाद ईरान गुस्से में है और इस्त्राइल से बदला लेने की धमकी दे चुका है। इस्त्राइल के अधिकारियों का मानना है कि इस बार ईरान बड़ा हमला कर सकता है। वह या तो इस्त्राइल पर सीधा हमला करेगा या फिर प्रॉक्सी हमले या फिर दूसरे देशों में बने इस्त्राइली ठिकानों पर हमले करेगा। इस्त्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि उन्होंने संभावित खतरे के मद्देनजर अमेरिका और ब्रिटेन के रक्षा मंत्री से बात की है और मौजूदा सुरक्षा घटनाक्रमों की स्थिति पर चर्चा की है। वहीं अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने भी कहा है कि अगर हमला होता है तो वह इस्त्राइल की मदद करेगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि पेंटागन यह तय कर रहा है कि उसके पास सही संसाधन और क्षमताएं हों। वहीं ब्रिटेन के रक्षा मंत्री हीली ने भी इस्त्राइल समेत पूरे क्षेत्र के नेताओं के साथ बात की है। इसमें सभी से संयम बरतने और महत्वपूर्ण क्षण में तनाव कम करने के लिए कहा है। वहीं जो बाइडन ने भी इस्त्राइल को नई अमेरिकी सैन्य तैनाती का आश्वासन दिया है।

गाजा के स्कूल पर किया इस्त्राइल का हमला

15 फलस्तीनियों की मौत, नौ आतंकवादी भी मारे गए

मध्य-पूर्व में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल ही में हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख हानिया की मौत की खबर सामने आई थी। हालांकि, इस्त्राइल ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। अब खबर है कि गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर शनिवार को इस्त्राइल ने हवाई हमले किए, जिसमें 15 फलस्तीनी नागिरकों की मौत हो गई। वहीं हमास ने दावा किया कि उसके कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी इस्त्राइल ने दो हमले किए, जिसमें एक स्थानीय हमास कमांडर सहित नौ आतंकवादी मारे गए हैं। फलस्तीनी समाचार एजेंसी डब्लूएएफए ने कहा कि दो अलग-अलग हमले हुए हैं। पहला हमला तुलकरम शहर के पास एक वाहन पर किया गया, जिसमें एक आतंकवादी सेल को निशाना बनाया गया। इसमें तुलकरम ब्रिगेड के कमांडर समेत उसके सहयोगी इस्लामिक जिहाद के चार लड़ाके मारे गए। इसके अलावा आतंकवादियों के एक अन्य समूह के पांच लड़ाके मारे गए। ये सभी तुलकरम में

आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सैनिकों पर गोलीबारी मे शामिल थे। समाचार एजेंसी डब्लूएएफए ने कहा कि गाजा में इस्त्राइल-हमास युद्ध से पहले वेस्ट बैंक में हिंसा बढ़ रही है। इस्त्राइल ने दावा किया कि स्कूल का इस्तेमाल हमास के कमांड सेंटर के रूप में किया जा रहा था, ताकि आतंकवादियों को छिपाया जा सके और हथियार बनाए जा सकें।

हालांकि, हमास ने इस्त्राइली आरोपों का खंडन किया है। गाजा पट्टी के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि गाजा में इस्त्राइल के सैन्य अभियान में कम से कम 39,550 फलस्तीनी मारे गए हैं। बीते वर्ष सात अक्तूबर को हमास ने इस्त्राइल पर हमला किया था। इस हमले में 1,200 लोग मारे गए थे। इस दौरान 250 लोगों का अपहरण भी किया गया था।

गाजियाबाद को मिला देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आंगनबाड़ी केंद्र

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा रविवार को गाजियाबाद के मोरटी में देश की पहली आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश को लेकर भी उन्होंने इस ओर कदम बढ़ाने का भरोसा दिलाया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री विधायक सुनील शर्मा, महापौर सुनीता दयाल, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच, पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्र, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3012 के गवर्नर प्रशांत राज सहित अन्य प्रमुख लोगों ने राज्यपाल का स्वागत भी किया।

लोहिया नगर में महापौर ने किया ओपन जिम का शिलान्यास

गेल कंपनी के सीएसआर फण्ड से लगाया ओपन जिम, महापौर ने किया धन्यवाद

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पार्षद कुलदीप त्यागी के वार्ड 69 लाल क्वार्टर 7 ब्लॉक के सामने रामलीला पार्क में गेल कंपनी के सीएसआर फण्ड से ओपन जिम लगाने का कार्य किया गया। ओपन जिम का उद्घाटन महापौर सुनीता दयाल के कर कमलों द्वारा किया गया। इस मौके पर गेल कंपनी के चैयरमेन संजय कश्यप मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस ओपन जिम में 8 मशीनें लगाई गयी हैं जिन पर आराम से शारीरिक और मानसिक फायदा लिया जा सकता है। स्थानीय पार्षद एवं संजय कश्यप ने इस कार्य के लिए प्रयास किया, जिसमें नगर निगम ने पार्क में ओपन जिम लगाने की अनुमति भी दी। गेल के अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में भी नगर निगम क्षेत्र में संस्था अपने सीएसआर फण्ड से कार्य करना चाहती है, जिस पर महापौर ने धन्यवाद कर उनका प्रस्ताव स्वीकार किया।

ओपन जिम से क्षेत्र के लोग रहेंगे फिट, महिलाएं भी उठाएंगी फायदा : महापौर

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि ओपन जिम की स्थापना से आसपास के क्षेत्रवासी इसका प्रयोग कर फिट रहेंगे और 15 वर्ष से ऊपर के बच्चे भी इसका लाभ ले सकते हैं। साथ ही जो महिलाएं घर के काम की वजह से समय नहीं दे पाती हैं, वह भी कार्य पूर्ण करने के बाद पार्क में ओपन जिम का फायदा उठा सकती हैं और खुद को फिट रख सकती हैं। गेल कंपनी ने हमारे शहर में अच्छी पहल की है और भविष्य में भी इसी प्रकार से हमारा सहयोग कर जनता के कार्यों का ध्यान रखें।

इस अवसर पर गणमान्य लोगों ने शिरकत की

करंट क्राइम। उद्घाटन के दौरान डॉ. अनुज कुमार सिंह उद्यान प्रभारी नगर निगम, गेल एचआर डायरेक्टर अनूप गुप्ता, शानू गेल मैनेजर,अनिल कुमार झा गेल मैनेजर, योगिता कश्यप ट्रस्टी सेंटर फॉर वाटर पीस, प्रदीप त्यागी पूर्व रेलवे बोर्ड सदस्य, संजय रैना, अंकित त्यागी, शुभम कुमार, संजीव रहेजा, उमेश त्यागी, ओमदत्त कौशिक मण्डल अध्यक्ष, अशोक गर्ग, विपिन सिंघल,अजय अग्रवाल, राकेश जैन, दीपक त्यागी, रामेश्वर त्यागी, हरिओम त्यागी एवं लोहिया नगर आरडब्ल्यूए और समस्त क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

आरडब्ल्यूए व साया सोशल एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

मुख्य अतिथि अतुल गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद मनोज त्यागी ने शिरकत की

गाजियाबाद, करंट क्राइम। चिरंजीव बिहार अवंतिका में अंसल गार्डन कॉलोनी हापुड़ रोड पर रविवार को आरडब्ल्यूए व साया सोशल एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतुल गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि पार्षद मनोज त्यागी ने शिरकत की। कार्यक्रम में जीपी गुप्ता अध्यक्ष आरडब्ल्यूए, रतेंद्र गहलोत, अरविंद त्यागी महामंत्री साया सोशल, विनय अग्रवाल, संजय अग्रवाल, पुनीत सैनी, सुरेश अग्रवाल, पवन सिंहल, पारुल सिंहल, मनोज गोयल, यशपाल सिसोदिया, वीपी सिंह, योगेश त्यागी आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीन सिंहल द्वारा किया गया।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

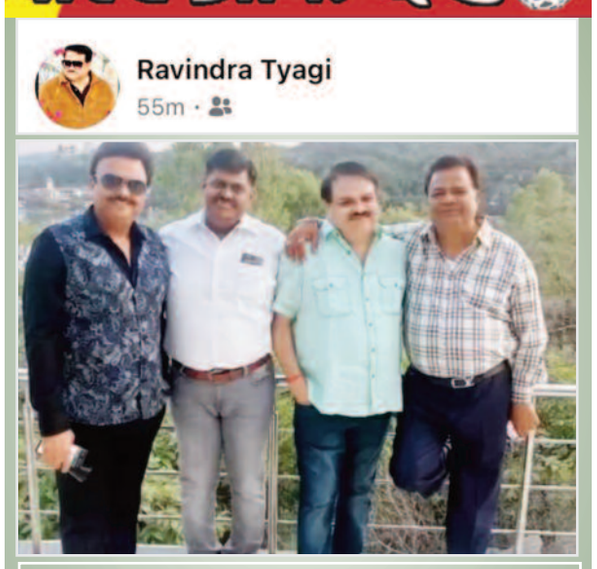

गाजियाबाद करंट क्राइम। याराना है तो जिंदगी गुनगुनाती उन्ही यारों के साथ खुशी का तराना है। मित्रता दिवस पर ये उन मित्रों की टोली है जिनकी खूबियों को खुद शहर की जनता बोली है। ये कितने ही बिजी हो लेकिन यारों के लिए एकदम इजी है। मित्रता दिवस पर बिल्डर एसोसिएशन के रविन्द्र त्यागी, वीवीआईपी ग्रुप के चेयरमैन प्रवीण त्यागी,पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी की ये तस्वीर फेसबुक पोस्ट पर साझा हुई। दोस्ती की मिसाल पेश करती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

चिन्टू जी

चिंटू जी : इनसे मिलीए ये हैं भाजपा के तीन अनमोल रत्न। तीनों विधायक बनने का कर रहे हैं जतन?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ में गूंज रहा है राजेन्द्र नगर वाले प्लॉट का किस्सा? सुना है इस मैटर में सरकारी विभाग वाले बड़े साहब है अपने रिश्तेदार पर मेहरबान? प्लॉट पर शुरू हो गया है बिना नक्शा पास कराये ही काम? कहने वाले ने कहा अधिकारी बताये जाते हैं बहुत ही ताकतवर? इसलिए रिश्तेदार के आस-पास विभाग का कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है झांकने को तैयार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा मैडम ने संगठन वाले पदाधिकारी को ले रखा था लगातार निशाने पर? वो नहीं हो रहीं थी चुप, बार-बार चुप कराने पर? जैसे ही हुई किसी बड़े नेता की एन्ट्री? उन्होंने अधिकारी को लाईन पर लेकर कहा आ गये हैं तुम्हारे गुरू? बस फिर क्या था इस बात पर तकरार हो गई शुरू? संगठन वाले पदाधिकारी ने भी मैडम से कर दिया साफ शब्दों में स्पष्ट? कहा अब आप अपने शब्दों को विराम लगा लो? फिर हम कुछ कहेंगे तो आपको हो जायेगा हमारी बात से बहुत ज्यादा कष्ट? जैसे तैसे संभालने वालों ने संभाली बात? हमने कभी नहीं देखे ऐसे उनके नाराजगी वाले हालात?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि उपाध्याय जी ने जब से किया है शहर विधानसभा से दावेदारी का ऐलान? तब से उनके बिरादरी के ब्रदर समाज में जाकर दे रहे हैं कोई मजबूत वाला पैगाम? कह रहे हैं उपाध्याय जी बाबा जी से लेकर आये हैं आशीर्वाद? यूं हीं नहीं डाला है उन्होंने शहर विधानसभा में हाथ? यूं ही नहीं भगवा आरडीजी पढ़ रहे हैं उनकी तारीफों के कसीदे? वो जानते हैं उपाध्याय जी के पक्ष में आ सकते हैं उम्मीदवारी के नतीजे?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि शर्मा एण्ड कंपनी ने किया आरडीसी में रेस्टोरेंट का उद्घाटन और उसमें दिया चुनिंदा चेहरों को न्यौता? सुना है न्यौते वाली अनदेखी से उनकी बिरादरी के संगठन वाले ब्रदर दिख रहे हैं नाराज? कह रहे हैं वो अपनों से कि जब शर्मा जी बर्थडे सैलीब्रेट करतें हैं तब आती हैं उनको हमारी याद? हमें समझ नहीं आ रहा है उनकी दावत का दस्तूर? एक में बुलाते हैं और दूसरे में कर देते है दूर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ना जाने नदिया पार का एक भगवा पार्षद इस बात को कैसे सह गया? सुना है उनकी बिरादरी का वर्तमान पार्षद उनका बोर्ड उखाड़कर ले गया? पता चला है पूर्व पार्षद ने अपने बोर्ड पर नहीं किया था पूर्व होने का इजहार? बस यही बात हो रही थी वर्तमान वाले की बर्दाश्त से बाहर? ना वर्तमान वाले ने नोटिस दिया, ना भेजा कोई संदेशा? एक झटके में उखाड़ कर ले गये नेम प्लेट के साथ पूरा बेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारा संदेश आप नदिया पार वाले मैम्बर कोटी जी तक पहुंचा दो आप? उनके मौहल्ले में है कोई पंचर वाला? जिसे कोई परेशान कर रहा है बेहिसाब? लगातार पंचर वाले से कर रहा है कोई पांच हजार की डिमांड? हमें पता है कोटी जी वाले अपने इंसाफ के लिए जाने जाते हैं? जैसे ही उनको पता चलेगी ये बात, वो जरूर लेंगे उगाही करने वाली की रिमांड? इसलिए तो जनता में लगातार बढ़ रही है इंसाफ के देवता कोटी जी की डिमांड?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम तो भगवा राजन भैया की करते हैं अक्सर तरक्की की दुआएं? मगर ना जाने वो क्यों हैं खुद ही खुद को लेकर बैक गियर लगाने पर आये? पार्टी ने उन्हें दी सबसे पहले मैन टीम की महानमंत्री वाली फीलिंग? मगर उन्हें तो मंडल में सैट होकर आया करार? सुना है अब वो एक स्टैप और नीचे जाकर हैं नामित बनने को बेकरार? राजनीति में हमने लोगों को आगे बढ़ते हुए देखा है, ना जाने क्यों इन्होंने बैक गियर डाला हुआ है यार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि राधे और श्याम वाले पार्क के पास है भगवा पार्षद का कार्यालय? कार्यालय ऐसा बना रखा है जैसे हो कोई मुख्यालय? सुना है कार्यालय से एक प्लॉट हटकर हो रहा है बिल्डिंग का निर्माण? बिना नक्शे के चल रहा है यहां पर काम? नक्शे के बिना बन रही बिल्डिंग की एवज में गूंज रहा है 15 पेटी का किस्सा? पार्षद जी को पता करना चाहिए कौन ले रहा है इसमें हिस्सा? उनकी खामोशी आरोपों के तीर मोड़ देगी उनकी ओर? जानते हैं पार्षद जी ईमानदारी के मामले में हैं 24 कैरेट प्योर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि विधायक जी की बात अपनी जगह है ठीक? मगर हम बताना चाहते हैं कि जिस पोस्ट ने लगायी है सावन में आग? वो पोस्ट कमांडर ने नहीं की है डिलीट? आप उनकी फेसबुक खोलोगे और उंगलियों को स्क्रॉल करते हुए जाओगे इतिहास के नजदीक? वहां पर तारीफों से भरी हुई ये पोस्ट कर देगी डिलीट नहीं होने की तस्दीक? कहने वाले ने कहा राजनीति में हर किसी का होता है हर किसी से अलग-अलग व्यवहार? इसलिए अलग अलग व्यवहार होती है किसी की मौहब्बत होती है तो किसी की तकरार? क्या हो गया अगर किसी ने कर दिया किसी के प्रति अपनी भावनाओं का इजहार? हम बैठे थे गर्ग साहब के नजदीक? उनके भी थे कुछ ऐसे ही विचार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको भाजपा के एक बड़े नेता की पूर्व में हुई दावत का दे रहा हूं अपडेट? दावत के बाहर लगी हुई थी उनकी नाम की नेम प्लेट? फिर ना जाने क्या हुआ उन्होंने नेम प्लेट हटाने के आदेश कर दिये जारी? कुछ तो बात है जो उन्होंने निर्णय लिया इतना भारी? बावजूद जारी है इस पूरे मामले को लेकर कार्यकताओं में रायशुमारी?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।